दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 31 | अंकः 223 | भोपाल, बुधवार 26 अगस्त 2026 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

प्रदेश के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, 10,630 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी- मुख्यमंत्री

22 प्रमुख सड़कों का हस्तांतरण एमपीआरडीसी को किये जाने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

- **म.प्र. सड़क विकास निगम को 12 मार्गों के निर्माण के लिए 4 हजार 600 करोड़ रुपए के ऋण की गांरटी दिये जाने का अनुमोदन**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के इंफ्रॉस्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, सायबर सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को गति देने के लिए 10 हजार 630 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को 12 मार्गों के निर्माण के लिए नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रेक्चर डेवलपमेंट अस्सिटेंस के माध्यम से 4,600 करोड़ रुपये के ऋण के लिए शासकीय गारंटी देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया इसी तरह चयनित राजमार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों की श्रेणी को 22 मार्गों को स्वामित्व मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया गया तथा 3 हजार 960 करोड़ रुपये की लागत से सिवनी-बालाघाट 91.64 कि.मी. मार्ग को फोर-लेन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के तहत निर्धन एवं कमजोर वर्गों से जुड़ी 19 जन-कल्याणकारी योजनाओं के लिए 1 हजार 740 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। स्वास्थ्य एवं तकनीकी अवसंरचना का विस्तार करते हुए उज्जैन स्थित मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के संचालन के लिए 244 पदों के सृजन तथा सायबर सुरक्षा प्रबंधन के लिए एमपी-सीईआरटी योजना अंतर्गत 80 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन एवं अतिथि गृहों के उन्नयन के लिए 250 करोड़ 67 लाख रुपये, आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति में संशोधन, भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत ईओडब्ल्यू को अधिकृत करने और महिला टी-20 दृष्टिबाधित क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 की पदक विजेता खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को 78 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदाय किए जाने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

म.प्र. सड़क विकास निगम को प्रदेश में 12 सड़कों के निर्माण के लिए 4 हजार 600 करोड़ रुपए के ऋण की गांरटी का अनुमोदन मंत्रि-परिषद ने म.प्र. सड़क विकास निगम द्वारा नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट असिस्टेंस (निडा) से 4 हजार 600 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किये जाने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रत्याभूति (गारंटी) प्रदाय किये जाने का अनुमोदन दिया है। सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को 12 मार्गों के निर्माण के लिए नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट अस्सिटेंस के माध्यम से 4,600 करोड़ रुपये के ऋण के लिए शासकीय गारंटी देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इन मार्गों में भोपाल-विदिशा मार्ग, खलघाट-मनावर-मांगोद, मंदसौर-सीतामऊ-म.प्र, सीतामऊ-बसई-सुवासरा, पूर्वी भोपाल बायपास 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्ड, नीमच-मनासा-रामपुरा झालावाड मार्ग एसएस-7, इंदौर-देपालपुर मार्ग का 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर, चापडा-नेवरी से देवास तक एसएच-64 का 2-लेन मय, दिनारा-दतिया,सेवड़ा मार्ग,आगर-सारंगपुर मार्ग, सोयत-माचलपुर-जीरापुर, राहतगढ़-खुरई से खिमलासा मार्ग तथा सुन्दरा- सिंहपुर-कोठी-बिरसिंहपुर-सेमरिया गोहदा-सिरमोर शामिल है। 22 प्रमुख सड़कों का हस्तांतरण एमपीआरडीसी को किये जाने का निर्णय राज्य की 22 प्रमुख सड़कों का स्वामित्व हस्तांतरण नाममात्र मूल्य पर 'म.प्र. सड़क विकास निगम' (एमपीआरडीसी) को किया जाएगा। इसके बदले निगम का संचालक मंडल राज्य सरकार के पक्ष में अपनी अंश पूंजी (शेयर) जारी करेगा। इस ऋण के ब्याज और ऋण का भुगतान हस्तांतरित मार्ग से प्राप्त टोल संग्रहण और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त राशि से किया जाएगा। मध्यप्रदेश राजमार्ग निधि अधिनियम, 2012 में संशोधन किया जाकर इस मार्गों पर टोल संग्रहण और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त राशि को सीधे निगम की आय माना जाएगा। स्वीकृत ऋण सीमा के भीतर मार्गों में परिवर्तन और नवीन मार्गों के चयन का अधिकार निगम के संचालक मंडल के पास रहेगा।

राम मंदिर चढ़ावा विवादः चंपत राय के खिलाफ संतों की बैठक पुलिस ने रोकी

एक लाख साधु-संत घेरेंगे अयोध्या

- **आश्रम से निकालकर ताला लगाने का आरोप; गुस्साए संतों ने चंदा चोर के नारे लगाए, बड़े आंदोलन की तैयारी**

अयोध्या। अयोध्या में कारसेवकपुरम के पास मंगलवार को ओम आश्रम में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और चंपत राय के खिलाफ चल रही संतों की बैठक को पुलिस ने रोक दिया। संतों का आरोप है कि बैठक के बीच पुलिस पहुंची और संतों को बाहर निकालकर आश्रम में ताला लगा दिया। इससे गुस्साए संतों ने ह्यचंदा चोरों, अयोध्या छोड़ोह्व के नारे लगाए। राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े कथित विवाद ने अब अयोध्या में नया मोड़ ले लिया है। मामले की जांच और कार्रवाई को लेकर संत समाज में असंतोष खुलकर सामने आया है। कंप्यूटर बाबा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संतों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग दोहराई। उन्होंने सीबीआई जांच कराने की मांग करते हुए कुछ पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई। बैठक के बाद कंप्यूटर बाबा ने आंदोलन की घोषणा करते हुए कहा कि यदि चढ़ावे से जुड़े कथित विवाद की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो संत समाज बड़ा आंदोलन करेगा। जरूरत पड़ने पर एक लाख संतों के साथ अयोध्या पहुंचकर आंदोलन करने की बात कही गई है। संतों का कहना है कि चंदा चोरी के छोटे आरोपियों पर कार्रवाई की गई, जबकि बड़े आरोपियों को बचाया जा रहा है। जिला प्रशासन आरोपियों का साथ दे रहा है। वह नहीं चाहता कि आरोपी पकड़े जाएं। इसलिए संतों की बैठक नहीं होने दी जा रही है। संतों का आरोप है कि एसआईटी की कार्रवाई में छोटे स्तर के आरोपियों पर कार्रवाई हुई, जबकि प्रभावशाली लोगों को बचा लिया गया। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संत समाज मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की तैयारी भी कर रहा है। इसके साथ ही संतों ने रामलला के दर्शन कर पूरे मामले को लेकर भगवान श्रीराम से क्षमा मांगने की बात कही। मंगलवार को संतों की बैठक के दौरान पुलिस और एलआईयू के जवानों की मौजूदगी से माहौल गरमा गया। संतों ने आरोप लगाया कि उन्हें विवाद पर खुलकर चर्चा करने से रोका जा रहा है। बैठक में हंगामे के बाद संत समाज ने आंदोलन का ऐलान कर दिया। बैठक में पुलिस की मौजूदगी से बढ़ा विवाद कंप्यूटर बाबा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में संत शामिल हुए। बैठक के दौरान अयोध्या पुलिस और इंटेलिजेंस के जवानों के पहुंचने पर संतों ने नाराजगी जताई। मीडिया कर्मियों को बैठक स्थल से बाहर किए जाने को लेकर भी तनातनी की स्थिति बनी। संतों का आरोप है कि राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े कथित मामले पर चर्चा करने से उन्हें रोका जा रहा है। पुलिस और एलआईयू की मौजूदगी को लेकर भी संतों ने सवाल उठाए। विवाद अब जांच से आगे संत समाज के असंतोष तक पहुंचा राम मंदिर चढ़ावे से जुड़ा विवाद पहले जांच और कार्रवाई तक सीमित था, लेकिन अब यह संत समाज के बीच असंतोष का मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। संतों का एक वर्ग कार्रवाई को लेकर सवाल उठा रहा है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। इस बीच बैठक में पुलिस की मौजूदगी ने विवाद को और हवा दे दी है। संतों का कहना है कि धार्मिक मुद्दे पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में पुलिस की मौजूदगी से उन्हें दबाव महसूस हुआ। हम चोरी रोक नहीं पाए, रामलला से माफी मांगते हैं महामंडलेश्वर परमानंद गिरि ने कहा- संत इस चोरी को रोक नहीं पाए, इसके लिए रामलला से हाथ जोडकर माफी मांगते हैं। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, उन पर एनएसए लगे। जांच के जरिए उन लोगों तक भी पहुंचना चाहिए, जिनकी चढ़ावा चोरी में बड़ी भूमिका रही है। राम मंदिर में देशभर के लोगों ने दान दिया है। इस मुद्दे पर सभी संत एकजुट हैं। हम लोग जल्द बैठक करेंगे। अयोध्या के सभी संतों को बैठक के लिए बुलाया गया है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मामले की सीबीआई जांच की मांग की जाएगी। एसआईटी की फाइनल जांच रिपोर्ट में चंपत राय का नाम नहीं वहीं, राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है।

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

- **भारतीय कंपनियां करेंगी मिसाइलों का उत्पादन**

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना है। तकनीक हस्तांतरण के बाद पात्र भारतीय कंपनियां पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की डीआरडीओ-विकसित तकनीकों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। इसके लिए संबंधित योग्यताओं, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह पहल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने और रक्षा विनिर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता को और मजबूती मिलेगी। यह पहल मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक स्तर पर उत्पादन की ओर सफलतापूर्वक बदलाव को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और निर्माण में भारतीय उद्योग की क्षमताओं का प्रभावी इस्तेमाल करना है। इससे देश की घरेलू विनिर्माण क्षमता और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के साथ भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा अन्य तकनीकी साझेदारों के लिए रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी के नए अवसर पैदा होंगे। आयात पर निर्भरता होगी कम इस पहल का एक प्रमुख उद्देश्य रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम करना और देश में रक्षा प्रणालियों के निर्माण में घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

सार-समाचार

पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि बसपा पंजाब में बिना किसी गठबंधन या समझौते के अकेले चुनाव लड़ेगी। गठबंधन से पार्टी को सीट और वोट प्रतिशत दोनों में नुकसान होता है। इससे कार्यकताओं का मनोबल भी प्रभावित होता है। पिछली बार बसपा का अकाली दल से गठबंधन था। मायावती ने लखनऊ स्थित बसपा कार्यालय में पंजाब के पार्टी पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक की और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा- पंजाब के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी की तैयारियां तेज की जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट से तरुण तेजपाल को बड़ा झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार तरुण तेजपाल की याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में उन्होंने 2013 के उत्पीड़न मामले में आत्मसमर्पण से छूट मांगी थी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने तरुण तेजपाल को 2013 के उत्पीड़न मामले में मिली 10 साल की सजा के लिए दो हफ्ते के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल की सजा और दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की है। तेजपाल ने इस आधार पर आत्मसमर्पण से छूट मांगी थी कि उनकी अपील पहले सर्वोच्च न्यायालय में सूचीबद्ध और सुनवाई के लिए पेश की जानी चाहिए। तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने तर्क दिया कि न्यायालय के पास उचित मामले में आत्मसमर्पण की आवश्यकता को समाप्त करने और आरोपी के आत्मसमर्पण न करने की स्थिति में भी आपराधिक अपील को सूचीबद्ध करने का अधिकार है।

माता-पिता ने बेटे को 4.5 लाख में बेचा

मोतिहारी। मोतिहारी में एक बच्चे को जन्म के दूसरे ही दिन उसके माता-पिता ने बेच दिया। सौदे में दंपती, आशा कार्यकर्ता, सौदा कराने वाली बिचौलिया और बच्चे को खरीदने वाली महिला शामिल है। पूरी डील 4.5 लाख में हुई। नगर थाना की पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए नवजात बच्चे को सकुशल रेस्क्यू कर लिया है। बच्चे के माता-पिता, महिला दलाल, आशा कार्यकर्ता और बच्चा खरीदने वाली महिला कुल 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने माता-पिता के पास से सौदे के मिले 1.50 लाख रुपए भी बरामद कर लिए हैं। महिला दलाल, आशा कार्यकर्ता को डेढ़-डेढ़ लाख मिलने वाले थे। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि गिरफ्तार आरोपी दंपती प्रमोद साहनी और इंदु देवी के पहले से ही छह बच्चे हैं

शोपियां में 6 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने सोमवार रात चेकिंग के दौरान 6 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के पांच पोस्टर मिले हैं। बरामद सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, पुलवामा में भी सुरक्षाबलों ने यरवान जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान लतीफ अहमद दीदाद और एजाज अहमद बजाद के रूप में हुई है। पुलवामा में पकड़ाए संदिग्धों के पास से एक पिस्तौल, 12 कारतूस और हैंड ग्रेनेड मिले हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट और यूएपीए की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

अमेरिका में भारतीय छात्रों का घटा रुझान

वॉशिंगटन। अमेरिका में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में इस साल बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। 2025-26 सेशन में अमेरिका के अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में दाखिले के लिए भारत से आने वाले छात्रों की संख्या 15 प्रतिशत घट गई है। यह गिरावट ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका की इमिग्रेशन और वीजा नीतियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच अनिश्चितता बढ़ी हुई है। यह आंकड़ा अमेरिका के 1,100 से ज्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले गैर-लाभकारी संगठन की रिपोर्ट में सामने आया है। आवेदन बढ़े, लेकिन विदेशी छात्रों की हिस्सेदारी घटी रिपोर्ट के मुताबिक 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए अमेरिका में अंडरग्रेजुएट दाखिले के कुल आवेदन बढ़े हैं।

सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा

बांके बिहारी मंदिर के चढ़ावे में बंदरबांट

नई दिल्ली। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति रिपोर्ट रखी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में बेहद गंभीर स्थिति सामने आई है और तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने अदालत के समक्ष तस्वीरें और एक वीडियो भी पेश किया। सिंह ने बताया कि वीडियो में तीन लोग गोलक यानी पारंपरिक दानपेटी के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें अपनी पॉलीथिन की थैलियों में डाल रहे हैं। सेवायतों की किसी भी रुकावट को गंभीरता से लिया जाएगा। मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि दान की हर राशि दानपेटी या ऑनलाइन माध्यम से मंदिर की कोषागार तक पहुंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से इसमें किसी भी तरह की बाधा पैदा की जाती है तो उसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा।

फ्रांस में मौसमी तबाही का मंजर

पेरिस। फ्रांस के बड़े हिस्से में अचानक भीषण मौसमी उथल-पुथल शुरू हो गई है। भूमध्य सागर के तट से लेकर अंदरूनी क्षेत्रों तक पिछले 24 घंटों में 1.79 लाख से अधिक बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा इतना ऊंचा है कि मौसम वैज्ञानिक इसे असामान्य और खतरनाक बता रहे हैं। आसमान में लगातार चमक और गर्जना के साथ तेज तूफान चल रहे हैं। लोग इसे देखकर हैरान हैं क्योंकि इतनी तेज और घनी बिजली की गतिविधि सामान्य दिनों में शायद ही देखने को मिलती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, गर्म और नम हवाएं एक जगह फंस गई थीं। जब ये हवाएं ऊपर उठीं तो उनमें अचानक विस्फोट जैसा बदलाव आया।

मंदिर-जामा मस्जिद विवाद की सुनवाई टली - अब 29 सितंबर को अगली तारीख

मुरादाबाद। चंदौसी की अदालत में चल रहे श्री हरिहर मंदिर-शाही जामा मस्जिद विवाद में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से मामले की कार्रवाई पर लगी रोक के चलते सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह की अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 29 सितंबर की तारीख तय की है। मंगलवार को मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण स्थानीय अदालत में फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी। 19 नवंबर 2024 को दाखिल हुआ था मुकदमा यह कानूनी विवाद 19 नवंबर 2024 को शुरू हुआ था। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन समेत अन्य याचिकाकताओं ने संभल की चंदौसी जिला अदालत में वाद दाखिल कर दावा किया था कि शाही जामा मस्जिद का निर्माण मंदिर स्थल पर किया गया है। मुस्लिम पक्ष ने मामले की पोषणीयता को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि 19 मई 2025 को हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए कोर्ट की निगरानी में सर्वे कराने और मामले की सुनवाई आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रस्ताव पर डीजीसीए संबंधित हितधारकों से कर रहा सलाह-मशविरा

अब हर साल होगा सभी पायलटों का डोप टेस्ट!

- **इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि विमान उड़ाने वाले पायलट किसी नशीले या प्रतिबंधित पदार्थ के प्रभाव में ड्यूटी पर न हों**

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय पायलटों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। मंत्रालय सभी पायलटों का साल में एक बार अनिवार्य डोप टेस्ट कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि विमान उड़ाने वाले पायलट किसी नशीले या प्रतिबंधित पदार्थ के प्रभाव में ड्यूटी पर न हों। इस प्रस्ताव को लेकर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए संबंधित हितधारकों से सलाह-मशविरा कर रहा है। अधिकारियों के बीच इस बात पर चर्चा चल रही है कि सभी पायलटों का सालाना 100 फीसदी डोप टेस्ट कराना कितना व्यावहारिक होगा। इसके साथ ही प्रस्तावित व्यवस्था का एयरलाइन ऑपरेशंस पर पड़ने वाले असर का भी आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों का फोकस यह तय करने पर है कि डोप टेस्ट की प्रक्रिया लागू होने के बावजूद उड़ानों के संचालन में किसी तरह की परेशानी न आए। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो पायलटों की नियमित जांच के नियमों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। एअर इंडिया की घटना के बाद डीजीसीए सख्त एअर इंडिया की फ्लाइट एआई2379 के 4 अगस्त को फुकेत से दिल्ली आते समय अचानक करीब 300 फीट नीचे गिरने की घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ने विमान सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। इस घटना में 24 लोग घायल हुए थे। मामले की जांच के दौरान पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है और तकनीकी गड़बड़ियों के साथ-साथ क्रू के मेडिकल टेस्ट की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद कराए गए कन्फर्मेटरी मेडिकल टेस्ट में विमान के कैप्टन के मारिजुआना के लिए पॉजिटिव पाए जाने की बात सामने आई है। इसके अलावा फ्लाइट के अचानक ऊंचाई खोने से पहले हाइड्रोलिक सिस्टम और फ्लाइट कंट्रोल से जुड़े कई तकनीकी अलर्ट भी दर्ज हुए थे। डीजीसीए अब इन सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। डीजीसीए लगातार एक्शन मोड में इस घटना ने विमान उड़ाने वाले पायलट की नियमित और रैंडम ड्रग टेस्टिंग को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। इसी के बाद डीजीसीए कमर्शियल एयरलाइंस में साइकोएक्टिव और नशीले पदार्थों की जांच के नियमों को और सख्त करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। नए नियमों के तहत पायलटों और अन्य फ्लाइट क्रू की रैंडम टेस्टिंग का दायरा बढ़ाया जा सकता है। डीजीसीए यह भी देख रहा है कि ड्रग टेस्टिंग को ज्यादा प्रभावी और नियमित कैसे बनाया जाए, ताकि किसी भी तरह के नशे के प्रभाव में कोई क्रू सदस्य विमान संचालन का हिस्सा न बन सके। यानी एअर इंडिया की घटना के बाद डीजीसीए अब सिर्फ इस मामले की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे एविएशन सेक्टर में सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने की तैयारी में है। मकसद साफ है- पायलटों की फिटनेस, ड्रग टेस्टिंग और तकनीकी सुरक्षा से जुड़े नियमों में किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश न रहे।

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगी....! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये 'कालाबाजारी' बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे।

सत्येन्द्र जैन के जेल जाने के खतरे

आम आदमी पार्टी और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल सत्ता के लिए बने हैं इसे इस राजनीतिक पार्टी के 14 साल के इतिहास ने साबित किया है। समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सहारे राजनीति में आने वाले केजरीवाल ने वह सभी काम किए जो इस देश के आम राजनेता करते रहे हैं या इसके लिए राजनेता बदनाम हैं। कई मामलों में तो केजरीवाल ने परंपरागत दलों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। सत्ता में आने के लिए उन्होंने जो वायदे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आचरण उसके उलट किए। दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। उन पर शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च करके शीश महल बनवाने आदि के अनेक आरोप लगे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उनपर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा।

मनोज कुमार मिश्र

आम आदमी पार्टी (आआपा) के बड़े नेता और उसकी दिल्ली की सरकार में मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन की दिल्ली जल बोर्ड के भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी ने पार्टी पर आने वाले भारी संकट के संकेत दे दिए हैं। धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मई 2022 में सत्येन्द्र जैन को गिरफ्तार किया था। उसके नौ महीने बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। वे दो साल से ज्यादा जेल में रहे। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का सिलसिला शुरु हुआ। पहले 26 फरवरी 2023 को उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई। फिर सांसद संजय सिंह 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार हुए और आखिरकार 21 मार्च 2024 को पार्टी के सर्वेसर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार हुए। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए उच्चतम न्यायालय ने 10 मई 2024 को एक जून तक के लिए जमानत दी। जमानत के बाद ने दो जून 2024 को वापस तिहाड़ जेल गए। 26 जून को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया, वे जेल में ही रहे। 13 दिसंबर 2024 को वे जमानत मिलने पर बाहर आ पाए। फरवरी 2026 में ट्रायल कोर्ट ने सभी 23 आरोपितों को बरी कर दिया। उसके खिलाफ सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं। यानी केजरीवाल और उनके लोगों पर से तलवार पूरी तरह से हटी नहीं है। दिल्ली से सत्ता जाने के बाद आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में काबिज है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव हैं।

पुराने मामलों का कैग (सीएजी) से जैसे-जैसे भ्रष्टाचार के मामले सार्वजनिक हो रहे हैं, आआपा सरकार पर सरकारी जांच एजेंसियों का शिकंजा कसना तय सा माना जा रहा है। माना जा रहा है जल बोर्ड ही नहीं, मुख्यमंत्री के सरकारी निवास (आम बोलचाल में शीश महल) समेत, स्कूलों के निर्माण और मरम्मत से लेकर अनेक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के मामले पहले से ही सार्वजनिक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी पर खतरा बेहिसाब बढ़ा है। इसी के चलते सत्येन्द्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल बौखलाकर भाजपा की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड की अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) परियोजना की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार होने के आरोप में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा(एसीबी) ने 10 मई 2024 को सत्येन्द्र जैन, जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उदित प्रकाश राय आदि के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उन्हें पांच अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया। 18 अगस्त को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाकर उनके साथ पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, नगेन्द्र यादव, राजा कुमार कुर्रा और पंकज वर्मा को गिरफ्तार कर 19 अगस्त को विशेष न्यायाधीश विनय सिंह की अदालत में पेश किया। न्यायाधीश ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी पर संकट बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। संयोग से आम आदमी पार्टी ने सत्येन्द्र जैन को पंजाब का उप प्रभारी भी बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस गिरफ्तारी के लिए भाजपा पर पहले की तरह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी की बढ़त से परेशान भाजपा एसीबी अधिकारियों पर दबाव डालकर गिरफ्तारी करवाई गई, जबकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी शासन में दिल्ली जल बोर्ड लूट का केन्द्र बना दिया गया था। सरकारी ऑडिट (सीएजी) की जांच में आम आदमी पार्टी के दस साल के शासन में साठ हजार करोड़ का घोटाला सामने आया है। माना जा रहा है कि यह भी शराब घोटाले जैसा आम आदमी पार्टी के लिए भारी संकट खड़ा करने वाला साबित होगा। वर्ष 2022 में शराब घोटाले की जांच शुरु होने के बाद ईडी ने बड़ी तादात में गिरफ्तारी की, लेकिन 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी को भारी झटका लगा। उनको 17 महीने बाद जमानत मिली। दूसरे आर्थिक मामले में केजरीवाल के दूसरे मंत्री रहे सतेन्द्र जैन मई 2022 से जेल में थे। वे दो साल से जेल में रहे। इसी तरह संजय सिंह को शराब घोटाले में ही 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया। उन्हें छह महीने बाद विभिन्न पाबंदियों के साथ जमानत मिली। अरविंद केजरीवाल को ईडी ने बातचीत के लिए अनेक सम्मन भेजे। ईडी में पेश न होने के लिए अदालत भी गए, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। आखिरकार ईडी ने उन्हें 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया। अपनी गिरफ्तारी को उन्होंने उच्चतम न्यायालय तक में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने पहली बार किसी नेता को केवल चुनाव प्रचार के लिए तीन हफ्ते की जमानत दे दी। वे जमानत पर 10 मई को बाहर आए और दो जून को वापस जेल गए। 26 जून को सीबीआई ने उन पर दूसरा मामला दायर कर दिया। वे करीब पांच महीने जेल में रहने के बाद भारी प्रयास के बाद 13 सितंबर 2024 को उन्हें उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने पर बाहर आए। अभी फरवरी 2026 में ट्रायल कोर्ट ने सबूत के अभाव में शराब घोटाले के सभी 23 आरोपितों को बरी कर दिया। उनके खिलाफ सीबीआई ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका विचाराधीन है। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी ताम-झाम से उनकी लोगों से दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी कल्चर का विरोध करके राजनीति में आए उसी कल्चर के प्रतीक बन गए। शराब घोटाले में कई बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद खुद केजरीवाल जेल गए। वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव और 2015 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का मुद्दा बनाने की असफल कोशिश की। 70 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी।

आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर केवल दो फीसदी का था। पहली बार आम आदमी पार्टी 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से 134 सीटें मिली थी। भाजपा को 104 सीटें मिली थी। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिलता रहा। बहुमत के बावजूद महीनों कवायत के बाद आम आदमी पार्टी का मेयर बना। इन ढाई सालों में आम आदमी पार्टी के पार्षद भाजपा में आते रहे। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी में जाकर पार्षद बने 16 निगम पार्षद अलग दल बनाकर आम आदमी पार्टी से अलग हो गए। वे सभी भाजपा में शामिल हो गए। निगम में दलबदल विरोधी कानून नहीं लागू है। अब निगम में भी भाजपा बहुमत में है। आम आदमी पार्टी पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल की पार्टी है। वह न तो किसी विचारधारा से जुड़ी है, न जाति आधारित या कैडर आधारित पार्टी है। दिल्ली में सरकार जाने के बाद पार्टी के साथ मुट्ठी भर लोग दिखते हैं। अब केवल पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पंजाब सरकार के खिलाफ भी पार्टी में आवाज उठने लगी है। आम आदमी पार्टी के विधायक जेल गए। मंत्री संजीव अरोड़ा पर केन्द्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है। जो हालात दिख रहे हैं उसमें तो यही लग रहा है कि शराब घोटाले की आंच अभी इस पार्टी को और झुलसाएगी।

आज का इतिहास

1351 - सुल्तान फिरोजशाह तुगलक तृतीय की ताजपोशी हुए थी.

1825 - उरुग्वे ब्राजील से अपनी आजादी की घोषणा की.

1830 - बेल्जियम क्रांति शुरू हुई थी.

1835 - चंद्रमा पर जीवन और सभ्यता की खोज की घोषणा करते हुए, पहला महान चंद्रमा होक्स लेख द न्यूयॉर्क सन में प्रकाशित हुआ था.

1875 - कप्तान मैथ्यू वेबब 21 घंटे और 45 मिनट में डोवर, इंग्लैंड, कैलाइस, फ्रांस से यात्रा करते हुए अंग्रेजी चैनल में तैरने वाले पहले व्यक्ति बन गए थे.

1933 - द डाइक्सी भूकंप ने माओ काउंटी, सिचुआन, चीन पर हमला किया जिसमे 9,000 लोग मारे गए थे.

1944 - द्वितीय विश्व युद्धः मित्र राष्ट्रों द्वारा पेरिस मुक्त किया गया था.

1950 - राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने अमेरिकी सेना की हड़ताल को रोकने के लिए देश के रेल मार्गों पर नियंत्रण करने का आदेश दिया था.

1961 - ब्राजील के राष्ट्रपति जैनियो क्वाड्रोस ने सत्ता में केवल सात महीने बाद इस्तीफा दे दिया जिससे एक राजनीतिक संकट शुरू हुआ जो 1964 में सैन्य विद्रोह में समाप्त हुआ था.

1967 - अमेरिकी नाज़ी पार्टी के संस्थापक जॉर्ज लिंकन रॉकवेल की हत्या उनके समूह के एक पूर्व सदस्य ने की थी.

1975 - भारत पोलो विश्व विजेता बना था.

1980 - जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हो गए था.

1991 - लिनुस टोरवाल्ड ने लिनक्स बनने के पहले संस्करण की घोषणा की थी.

1997 - पूर्व पूर्वी जर्मन नेता एगॉन क्रेंज़ को बर्लिन की दीवार पर शूट-टू-मार पॉलिसी का दोषी पाया गया था.

2003 - मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया और मुंबी देवी मंदिर के पास हुए कार बम विस्फोट में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई तथा 150 से अधिक घायल हो गए थे.

2006 - यूक्रेन पावलो लाज़रेंको के पूर्व प्रधानमंत्री को मनी लॉडरिंग, वायर धोखाधड़ी, और लापरवाही के लिए नौ साल की कारावास की सजा सुनाई गई थी.

सरकारी साधारण बीमा कंपनियां : पूंजी की संजीवनी या स्थायी समाधान की तलाश?

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के साधारण बीमा व्यवसाय के सामने खड़ा संकट अब केवल कुछ सरकारी कंपनियों के लाभ–हानि का विषय नहीं रह गया है। यह प्रश्न करदाता के धन, करोड़ों पॉलिसीधारकों के हित, सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका और देश की वित्तीय स्थिरता से जुड़ गया है। चार सरकारी साधारण बीमा कंपनियां— नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस– आज भी देश के बीमा बाजार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

रावेल पुष्प

वर्ष 1972 में साधारण बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के बाद 107 बीमा कंपनियों को इन चार प्रमुख कंपनियों में समाहित किया गया था। समस्या यह है कि चारों कंपनियों की वित्तीय स्थिति एक जैसी नहीं है। न्यू इंडिया एश्योरेंस अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में है, जबकि नेशनल, ओरिएंटल और यूनाइटेड इंडिया लंबे समय से सोलवेंसी की चुनौती से जूझ रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में न्यू इंडिया एश्योरेंस ने लगभग ?1,384 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि यूनाइटेड इंडिया को लगभग ?4,839 करोड़, ओरिएंटल इंश्योरेंस को लगभग ?4,061 करोड़ और नेशनल इंश्योरेंस को लगभग ?2,534 करोड़ का घाटा हुआ। तीनों कंपनियों का संयुक्त घाटा ?11,400 करोड़ से अधिक रहा। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च 2026 को नेशनल इंश्योरेंस का सोलवेंसी रेशियो लगभग -1.10, ओरिएंटल का -1.60 और यूनाइटेड इंडिया का -1.40 था। इसके विपरीत न्यू इंडिया एश्योरेंस का रेशियो 1.84 था। प्रश्न है कि सोलवेंसी मार्जिन आखिर इतना महत्वपूर्ण क्यों है। बीमा कंपनी के लिए केवल लाभ कमाना पर्याप्त नहीं है। उसका सबसे महत्वपूर्ण दायित्व भविष्य में पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करना है। इसलिए उसके पास संभावित जोखिमों और अप्रत्याशित दावों को झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी होनी चाहिए। सरकार की बीमा नियामक संस्था- इरडा के फ्रेम में बीमाकर्ता के लिए सोलवेंशी रेशियो 1.50 गुना रखा गया है। इसका अर्थ है कि बीमाकर्ता को अपने जोखिमों के मुकाबले पर्याप्त अर्थ भंडार बनाए रखना होगा। बीमा नियामक संस्था स्वयं स्पष्ट करती हैं कि बीमाकर्ता को हर समय 1.50 का सोलवेंशी मार्जिन बनाए रखना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर शेयर दाताओं को अतिरिक्त पूंजी उपलब्ध करानी होती है। इसलिए किसी कंपनी का अकांउट लाभ और उसकी सोलवेंसी दो अलग-अलग बातें हैं। लाभ आज की कमाई बताती है; जबकि सोलवेंसी भविष्य की देनदारियों को पूरा करने की क्षमता दर्शाती है। यही अंतर सरकारी साधारण बीमा कंपनियों की वर्तमान समस्या को समझने की कुंजी है। अब हम ये देखें कि क्या सरकार ने पहले भी इन कम्पनियों को बचाने के लिए पूंजी डाली? उत्तर यही है कि डाली है– और पर्याप्त मात्रा में डाली है। केंद्र सरकार ने 2020 में नेशनल, ओरिएंटल और यूनाइटेड इंडिया में कुल ?12,450 करोड़ की पूंजी डालने को मंजूरी दी थी। सरकार ने स्वयं कहा था कि इस पूंजी

का उद्देश्य उनकी वित्तीय एवं सोलवेंसी स्थिति सुधारना, जोखिम व्यवस्था मजबूत करना और लाभजनक तरक्की को बढ़ावा देना है। उसी समय सरकार ने यह भी स्पष्ट किया था कि तत्कालीन परिस्थितियों में प्रस्तावित एकीकरण को रोककर कंपनियों की सोलवेंसी और लाभजनक तरक्की पर ध्यान दिया जाएगा। यहीं से एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है– यदि पूंजी डालने के बाद कुछ वर्षों में तीनों कंपनियां फिर से उसी सोलवेंसी संकट में पहुंच जाती हैं, तो क्या केवल और पूंजी डालना स्थायी समाधान हो सकता है? इसका उत्तर उतना सहज नहीं है। पूंजी किसी बीमार बीमा कंपनी को समय दे सकती है; लेकिन यदि अंडरराइटिंग व्यवसाय लगातार घाटे में है, मूल्य कमजोर है, दावों का दबाव अधिक है और व्यवस्थागत खर्च ऊँचा है, तो नई पूंजी भी धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है। अर्थात् 'कैपिटल कंफ्यूजन 'आवश्यक हो सकता है, लेकिन वह स्ट्रक्चरल रिफ़ार्म का विकल्प नहीं है। वर्ष 2018 में सरकार ने इन कम्पनियों के एकीकरण का रास्ता क्यों चुना था? यह तथ्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार स्वयं एक समय इन साधारण बीमा कंपनियों के एकीकरण को समाधान का हिस्सा मान चुकी है। वर्ष 2018 के बजट में सरकार ने नेशनल इंश्योरेंस, युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस और ओरिएंटल इंश्योरेंस को एकीकृत कर एक बीमा कंपनी बनाने की घोषणा की थी। क्या उस समय एकीकरण को स्थगित करना सही रणनीति थी या अब परिस्थितियां सरकार को उसी विकल्प पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर रही हैं? चार सरकारी कंपनियां- एक ही मालिक, फिर भी आपस में प्रतिस्पर्धा यह समस्या का एक कम चर्चित लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। चारों कंपनियों का स्वामित्व सरकार के पास है, लेकिन वे बाजार में एक-दूसरे से भी गलाकाट प्रतिस्पर्धा करती हैं। यदि यह प्रतिस्पर्धा स्वस्थ मूल्य और बेहतर सेवा के आधार पर हो तो इसका लाभ उपभोक्ता को मिल सकता है, लेकिन यदि मार्केट शेयर यानि बीमा बाजार में हिस्सा हासिल करने के लिए बीमा शुल्क को अनावश्यक रूप से कम किया जाए, तो इसका परिणाम अंडरराइटिंग लॉस के रूप में सामने आएगा ही। आज के संकट की व्याख्या करते हुए उद्योग विश्लेषणों में कमजोर मूल्य अनुशासन, खराब व्यवसाय मेल, लगातार ऊंचे दावे और ज्यादा बीमा प्राप्त करने के लिए अधिक छूट को प्रमुख कारणों में गिना गया है। इसका अर्थ है कि समस्या केवल पूंजी की नहीं, व्यवसाय के तौर तरीकों की भी है। रिजर्व बैंक की चिंता क्यों महत्वपूर्ण है? अब यह विषय केवल वित्त मंत्रालय या इरडा तक सीमित नहीं है। रिजर्व बैंक की फाइनेंशियल स्टैबिलिटी रिपोर्ट में तीन सरकारी साधारण बीमा कंपनियों की सोलवेंसी स्थिति पर चिंता सामने आई है। उपलब्ध रिपोर्टिंग के अनुसार वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 की प्रत्येक तिमाही में इन तीनों की सोलवेंसी रेगुलेटरी थ्रेशहोल्ड 1.5 से नीचे रही। इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि बीमा सेक्टर वित्तीय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी बड़ी बीमा कंपनी की वित्तीय कमजोरी अंततः पालिसी प्राप्तकर्ता, देनदार, शेयरहोल्डर और सरकारी खजाने पर असर डाल सकती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं है कि कंपनी को बचाया जाए या नहीं? बल्कि यह है कि उसे किस प्रकार बचाया जाए कि बार-बार टैक्स देने वालों के पैसों की जरूरत न पड़े? इरडा का दृष्टिकोण - कंपनी बड़ी हो या छोटी, सोलवेंसी तो हर हाल में जरूरी इरडा का मुख्य उद्देश्य मालिकाना की बनावट तय करना नहीं, बल्कि बीमा प्राप्तकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नियामक की दृष्टि से चाहे कंपनी सरकारी हो या निजी, उसे पर्याप्त कैपिटल और सोलवेंसी बनाए रखनी ही होगी। इरडा का 1.50 का कन्ट्रोल लेवल सोलवेंसी की जरूरत इसी दृष्टिकोण का हिस्सा है। इसलिए किसी एकीकरण को केवल इसलिए उचित नहीं माना जा सकता कि उससे कंपनी बहुत बड़ी हो जाएगी।वर्ष 2018 में सरकार का प्रस्ताव भी तीन कंपनियों को मिलाकर एक कम्पनी बनाने का था और उसने एकीकरण से इन्फ्रास्ट्रक्चर के बेहतर उपयोग तथा सोल्वेंसी सुधार की संभावना बताई थी। लेकिन एकीकरण के विरुद्ध भी गंभीर तर्क हैं। सबसे बड़ा प्रश्न है– क्या मजबूत न्यू इंडिया एश्योरेंस को तीन कमजोर कंपनियों के साथ मिलाना उचित होगा? यदि एक फाइनेंशियली स्वस्थ कंपनी को तीन फाइनेंशियली रूग्ण कंपनी के साथ मिला दिया जाए, तो कमजोर बैलेंस शीट का बोझ मजबूत कंपनी पर आ सकता है। इसलिए एकीकरण कोई जादुई छड़ी नहीं है। कर्मचारी यूनियनों का पक्ष यहाँ एक रोचक तथ्य है। सरकार के बाहर केवल अर्थशास्त्री या विश्लेषक ही एकीकरण की बात नहीं कर रहे। जेनरल इंश्योरेंस इंप्लाईज आल इंडिया एसोसिएशन ने अगस्त 2024 में वित्त मंत्री को दिए अपने स्मारपत्र में चारों सरकारी साधारण बीमा कंपनियों को एक कंपनी में तब्दील करने की बात की थी।

आज का राशिफल

मेष- मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष - निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन- कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क - ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह- विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या - भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला - शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु - मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर - स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुम्भ - अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन- नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

स्कूल के पास से शराब की दुकान हटाने को प्रचार्या ने लिखा पत्र

साहिबाबाद। प्र'ादगढ़ी स्थित आरडी मेमोरियल पब्लिक स्कूल प्रबंधन की ओर आबकारी विभाग को पत्र भेजकर दुकान को हटवाने की मांग की है। प्रबंधन का आरोप है कि आए दिन शराबी वहां से गुजरने वाले अभिभावकों को छात्र-छात्राओं को परेशान करते हैं। इससे शैक्षिक माहौल पर भी असर पड़ रहा है।

दरअसल, आरडी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के सामने देशी शराब की दुकान से अभिवावक और विद्यार्थी काफी दिन से परेशान हैं। वहां पर लोगों की दिनभर आवाजाही लगी रहती है। प्रधानाचार्या अनुराधा त्यागी ने पत्र में लिखा है कि शराब की दुकान खुलने से स्कूल का माहौल खराब हो रहा है। बच्चों की सुरक्षा और वातावरण को लेकर चिंता बनी हुई है।

पूर्व सभासद पर फायरिंग के आरोप में रिपोर्ट दर्ज

लोनी। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष और पूर्व नगर पालिका सभासद प्रमोद कुशवाहा पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही बदमाश को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। बता दें कि प्रमोद कुशवाहा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे करावल नगर से वह कार में अपने घर लौट रहे थे। मूवी मैजिक सिनेमा हॉल के पास पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी कार को ओवरटेक कर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

ट्रक चोरी के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में एक ट्रक चोरी के प्रयास कर रहे दो आरोपियों को रंगे हाथ दबोच लिया। शिकायतकर्ता हरिराम प्रजापति और उनके ड्राइवर ने दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया है। प्र'ाद गढ़ी साहिबाबाद निवासी हरिराम प्रजापति ने बताया कि रविवार सुबह करीब दस बजे साहिबाबाद में इंडियन पेट्रोल पंप के सामने उनके बेटे वैभव कुमार का टाटा ट्रक खड़ा था। ड्राइवर ने सूचना दी कि दो लोग उनके ट्रक को चुराने का प्रयास कर रहे हैं। वह दोनों पिता-पुत्र मौके पर पहुंचे और दो लोगों को चोरी का प्रयास करते हुए दबोचकर पुलिस को दे दिया। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की गई तो अपने नाम सेक्टर-63 नोएडा निवासी सोनू और सुनील बताए।

बिजली कर्मियों की कर्मठता से मिली राहत

नई दिल्ली : ललिता पार्क,लक्ष्मी नगर की गली नंबर 11 के एक फ्लैट में शार्ट सर्किट से बिजली गुल हो गई . पीड़ित परिवार ने तुरंत मदद के लिए बीएसईएस यमुना पावर को फोन लगाया तो संतोषजनक उत्तर मिला . फोन रिसीव करने वाले व्यक्ति देव सरकार ने दिलासा दिलाया की थोड़ी देर में आप की सहायता के लिए यमुना पावर के कर्मी पहुँच रहे हैं .आश्चर्य तो तब हुआ वादे के मुताबिक बिजली विभाग के दो कर्मी लाइन मेन शैलेश और एएलएम अरविन्द मंडल तत्काल सहायता के लिए पहुँच गए . बिजली विभाग के इन कर्मियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए परिवार ने बताया कि इस उमस भरी गर्मी में हम लोग तो बहुत डर गए थे लेकिन इतनी जल्दी बीएसईएस यमुना पावर की सहायता से संतुष्ट और प्रफुल्लित हो गए . बिजली विभाग की इस तत्परता को हम सैल्यूट करते हैं .

संत रविदास की 650वीं जयंती : तालकटोरा स्टेडियम से नितिन नवीन और रेखा ने दिया समरसता का संदेश

नई दिल्ली। तालकटोरा स्टेडियम में सोमवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर 'समरसता संकल्प अभियान एवं पावन माटी कलश वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संत रविदास जी को नमन करते हुए उनकी शिक्षाओं और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वाराणसी की पवित्र भूमि से शुरू हुई समरसता संकल्प यात्रा अब दिल्ली पहुंची है और राजधानी के सभी जिलों तक जाएगी। उन्होंने इस पहल के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

हर घर तक पहुंचेगा संत रविदास जी का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विजन के अनुरूप शुरू किया गया यह अभियान संत रविदास जी की शिक्षाओं और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि वाराणसी से लाई गई पवित्र माटी केवल मिट्टी नहीं है, बल्कि यह संत रविदास जी के विचारों, उनके सामाजिक कार्यों और मानवता के लिए दिए गए मार्गदर्शन का प्रतीक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पावन माटी से भरे कलश दिल्ली के हर जिले, घर और बस्ती तक पहुंचेंगे।

समानता और सम्मान का दिया संदेश

रेखा गुप्ता ने कहा कि संत रविदास जी की शिक्षाओं का मूल संदेश यही है कि समाज में कोई छोटा या बड़ा नहीं है और हर व्यक्ति को समान अवसर तथा सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती का यह वर्ष उनके विचारों को जीवन में उतारने और समाज में समानता, सम्मान तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्हीं मूल्यों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। दिल्ली सरकार भी समान अवसर और सम्मान को आधार बनाकर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता, समानता और सम्मान की मजबूत भावना ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की नींव बनेगी।

डूसू चुनावः छात्र संगठन सक्रिय, तेज की चुनावी तैयारियां, चुनावी घोषणापत्र तैयार करने का अभियान शुरू

नई दिल्लीः दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संगठन (डूसू) का दंगल फतह करने के लिए छात्र संगठन सक्रिय हो गए हैं। एनएसयूआई, एबीवीपी, आइसा, एसएफआई ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन अपने-अपने घोषणा पत्र के लिए सुझाव लेने में जुटे हैं। इसके लिए एनएसयूआई और एबीवीपी ने अभियान शुरू किया है। वहीं एसएफआई ने चुनाव संचालन और तैयारियों की निगरानी के लिए 84 सदस्यीय चुनाव समिति बनाई है। इसके साथ ही एसएफआई ने ड्रीम डीयू ऑफ दफ्ली गैंग अभियान शुरू किया है। एसएफआई डूसू के केंद्रीय पैनल के अलावा डीयू के 10 प्रमुख कॉलेजों में भी उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। वहीं एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने अखिलेश यादव और मान्या शर्मा को डूसू चुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव समन्वयक नियुक्त किया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और एनएसयूआई ने सोमवार से चुनावी घोषणा पत्र तैयार करने के लिए छात्रों से सुझाव लेने का अभियान शुरू किया है। एनएसयूआई ने मेरा कैंपस मेरा घोषणा पत्र अभियान शुरू किया है। संगठन को अब तक करीब 6,000 सुझाव मिल चुके हैं। एनएसयूआई की टीमें कॉलेजों में जाकर छात्रों से उनकी समस्याओं पर चर्चा कर रही हैं और सुझाव पेटियों के जरिये उनकी प्राथमिकताएं जुटा रही हैं। संगठन का कहना है कि इन सुझावों के आधार पर छात्रों की मांगों और आकांक्षाओं को घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा। वहीं एबीवीपी ने माय डीयू माय मेनिफेस्टो अभियान शुरू किया है। इसके तहत छात्र क्यूआर कोड और कैंपस में मौजूद कार्यकर्ताओं के जरिये अपनी समस्याएं और सुझाव दे सकते हैं। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा के अनुसार छात्रों से मिले सुझावों का अध्ययन कर उन्हें नीतिगत प्रस्तावों और छात्र-केंद्रित घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर डीयू प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन पर सख्त रुख अपना रखा है। परिसर में शांति व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और लिंगदोह समिति के साथ दिल्ली हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रॉक्टर कार्यालय और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम सघन जांच कर रही हैं।

दिल्ली एलजी ने विभिन्न एजेंसियों के साथ की समन्वय बैठक बेहतर तालमेल और नागरिक सुविधाओं पर दिया जोर

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक समन्वय और नागरिक सुविधाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली फायर सर्विस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक की। बैठक में सभी विभागों को 'सरकार का समग्र दृष्टिकोण' के तहत आपसी तालमेल बढ़ाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासनिक सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, शिक्षा, अतिक्रमण हटाने और फायर सेफ्टी से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी लाने और विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने नरेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली पुलिस को अपनी मौजूदगी बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, एमसीडी को क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में राजधानी में पार्किंग प्रबंधन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। एलजी ने विभिन्न स्थानों पर खाली पड़े पार्किंग स्थलों को जल्द से जल्द संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बढ़ती यातायात समस्याओं को देखते हुए मल्टी-लेवल पार्किंग परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए उपराज्यपाल ने अधिकारियों को स्कूलों में प्रशासन की पहुंच बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाया जा सकेगा।

बैठक में एमसीडी और डीडीए के बीच चल रही अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। उपराज्यपाल ने संबंधित एजेंसियों को समन्वित तरीके से कार्य करते हुए सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के प्रयास तेज करने को कहा।

इसके साथ ही दिल्ली फायर सर्विस की तैयारियों और राजधानी में अग्नि सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को फायर सेफ्टी मानकों के प्रभावी अनुपालन और आपातकालीन तैयारियों को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

स्ट्रीट वेंडर्स से संबंधित मामलों पर चर्चा करते हुए उपराज्यपाल ने एमसीडी को वेंडरों का सर्वेक्षण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही टाउन वेंडिंग कमेटियों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया, ताकि निर्धारित वेंडिंग जोन में वेंडरों के लिए उचित स्थान चिन्हित किए जा सकें और व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाया जा सके। उपराज्यपाल ने स्पष्ट किया कि सभी विभागों को एकजुट होकर कार्य करना होगा ताकि राजधानी में बेहतर प्रशासन, सुगम नागरिक सेवाएं और प्रभावी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

दिल्ली पुलिस के फर्जी सब-इंस्पेक्टर की वर्दी पहनकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, भारी मात्रा में सामान बरामद

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-113 की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर की फर्जी वर्दी पहनकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर की वर्दी समेत बड़ी संख्या में फर्जी पहचान पत्र और अन्य सामान बरामद किया है। आरोपी की पहचान राहुल सिंह पुत्र तोड़ी राम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की उम्र करीब 34 वर्ष है और वह मूल रूप से मथुरा का रहने वाला है, जबकि वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-117 में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को थाना सेक्टर-113 पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर की वर्दी धारण कर संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल सिंह को सेक्टर-117 नोएडा सर्विस रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से दिल्ली पुलिस के दरोगा की वर्दी और पुलिस अधिकारी के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कई सामान बरामद हुए।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक जोड़ी दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर की वर्दी, दो सफेद धातु के डीपी बैज, चार सफेद धातु के स्टार, एक नेम प्लेट, लाल बेल्ट समेत दिल्ली पुलिस का चपराश, एक जोड़ी खाकी मोजे, एक जोड़ी लाल रंग के जूते और दिल्ली पुलिस की पी-कैप बरामद की है। इसके अलावा आरोपी के पास से दिल्ली पुलिस के सात आई-कार्ड भी मिले हैं।

इन आई-कार्ड को लेकर पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता था और आरोपी ने इन्हें कहां से हासिल किया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक कैंटीन स्मार्ट कार्ड, सात एटीएम/क्रेडिट कार्ड, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस और एक मेट्रो कार्ड भी बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से आईफोन 17 प्रो मोबाइल भी बरामद किया है। इसके अलावा आरोपी जिस आई-20 कार से संबंधित पाया गया, उसे भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। पुलिस ने इस मामले में थाना सेक्टर-113 में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके द्वारा फर्जी पुलिस अधिकारी की पहचान और वर्दी का इस्तेमाल करने के पीछे की मंशा का पता लगाया जा रहा है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी ने फर्जी पुलिस पहचान पत्रों का इस्तेमाल कहीं लोगों को प्रभावित करने, धोखाधड़ी करने या किसी अन्य आपराधिक गतिविधि के लिए तो नहीं किया। बरामद सात दिल्ली पुलिस आई-कार्ड पुलिस जांच का अहम हिस्सा माने जा रहे हैं। पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन, कार्ड और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

आवारा पशुओं और मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम पर निगम सदन में हुई विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही की अध्यक्षता में सोमवार को निगम सदन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजधानी में आवारा पशुओं की समस्या तथा डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित नागरिक समस्याओं को सदन के समक्ष रखा।

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चली और पार्षदों ने मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम, आवारा पशुओं की समस्या तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दे सीधे दिल्ली के नागरिकों से जुड़े हैं और उनका प्रभावी समाधान निगम की प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और आवारा पशुओं की समस्या पर आगामी दिनों में विशेष सदन की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें दोनों विषयों पर व्यापक चर्चा के साथ संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, मौजूदा व्यवस्थाओं और आवश्यक सुधारों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

महापौर ने कहा कि निगम सदन जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है। सभी जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए नागरिक समस्याओं के सकारात्मक और प्रभावी समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सदन की कार्यवाही के दौरान आम आदमी पार्टी के कुछ पार्षदों ने व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया। महापौर ने कहा कि सदन की गरिमा और मयार्दा बनाए रखना प्रत्येक पार्षद की जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में इस प्रकार का असंसदीय व्यवहार दोहराए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने कहा कि व्यवधान के बावजूद नागरिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा जारी रही और विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद आवश्यक प्रस्ताव पारित किए गए।

पीडब्लूडी की बैठक में बवाना विधायक एवं मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने रखे क्षेत्रीय जरूरतों से जुड़े सुझाव

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा दिल्ली के बाहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रस्तावित प्रमुख परियोजनाओं को लेकर आज दिल्ली सचिवालय स्थित कार्यालय में संबंधित विधायकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विधानसभा क्षेत्रों की स्थानीय आवश्यकताओं एवं परियोजनाओं के संबंध में जनप्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए।

बैठक में बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बवाना क्षेत्र से संबंधित सहायक जल निकासी नाले के ऊपर प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर एवं कंझावला से मंगोलपुरी तक प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कंझावला-मंगोलपुरी एलिवेटेड कॉरिडोर लगभग 11.70 किलोमीटर लंबा प्रस्तावित है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर यातायात दबाव कम करना तथा आवागमन को अधिक सुगम बनाना है। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि बवाना विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में गांव एवं ग्रामीण आबादी निवास करती है। इसलिए इस प्रकार की बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं की योजना बनाते समय स्थानीय गांवों और आबादी की कनेक्टिविटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर में गांवों एवं स्थानीय क्षेत्रों के लिए उचित प्रवेश-निकास व्यवस्था, आवश्यक कनेक्टिविटी, यातायात सुरक्षा तथा पैदल यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना का लाभ केवल मुख्य मार्ग से गुजरने वाले यातायात तक सीमित न रहे, बल्कि आसपास के गांवों और स्थानीय निवासियों को भी बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त हो। मंत्री ने यह भी कहा कि एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के दौरान स्थानीय यातायात व्यवस्था और दैनिक आवागमन प्रभावित न हो, इसके लिए निर्माण कार्य की चरणबद्ध योजना तैयार की जानी चाहिए।

जनसुनवाई शिविर में पेयजल किल्लत का मुद्दा गरमाया

फरीदाबाद। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को हुई जनसुनवाई में सबसे ज्यादा जोर पेयजल की समस्याओं का रहा। नगर निगम के वार्ड नंबर-तीन और चार के लोगों ने मेयर प्रवीण बत्रा जोशी के सामने पानी की किल्लत का मुद्दा उठाया। लोगों का कहना था कि सेक्टर-25 के बूस्टर से पहले करीब चार घंटे पानी की आपूर्ति होती थी, लेकिन अब मुश्किल से दो घंटे ही पेयजल की आपूर्ति हो पा रही है। इससे आसपास के इलाकों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मेयर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जांच कर जल्द समस्या दूर करने के निर्देश दिए। वहीं भारत कॉलोनी से आए एक व्यक्ति की प्रॉपर्टी आईडी में सुधार की शिकायत का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। संबंधित रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार किया गया। वहीं वार्ड- 16 के पार्षद मनोज नासवा ने बौद्ध पार्क और छठ पार्क में लाइट लगवाने की मांग रखी। महापौर ने अधिकारियों को दोनों पार्कों की स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों को एक ही स्थान पर अपनी समस्याएं रखने और उनका समाधान कराने की सुविधा देना है।

सौरभ भारद्वाज ने एलजी से मांगा मिलने का समय, स्वास्थ्य-साइकिल-चावल और स्कूल मामले पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने स्वास्थ्य, साइकिल, चावल घोटाले और एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट से जुड़े मामलों पर चर्चा के लिए उपराज्यपाल से मुलाकात का समय मांगा है। सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के लिए समय देने का अनुरोध किया।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इन चारों मामलों में गंभीर अनियमितताओं के आरोप हैं और इन पर तत्काल प्रशासनिक ध्यान देने के साथ-साथ स्थिति स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इन मामलों से जुड़े तथ्यों और अपनी चिंताओं को उपराज्यपाल के सामने रखना चाहती है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले विधायक संजीव झा ने भी इन मुद्दों पर चर्चा के लिए उपराज्यपाल कार्यालय से औपचारिक रूप से मुलाकात का समय मांगा था, लेकिन अभी तक राज निवास की ओर से कोई जवाब या पुष्टि नहीं मिली है। सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में चार प्रमुख मुद्दों का उल्लेख किया। इनमें स्वास्थ्य घोटाले को लेकर आरोप, साइकिल घोटाले को लेकर आरोप, चावल घोटाले को लेकर आरोप और एसएस मोता सिंह स्कूल ट्रस्ट से जुड़े आरोप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये मामले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं और इन पर प्रशासन की ओर से स्पष्टता जरूरी है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया कि उनके साथ पार्टी के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए सुविधाजनक समय दिया जाए, ताकि संबंधित तथ्य और चिंताएं उनके सामने रखी जा सकें।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से प्रतिनिधिमंडल को जल्द मुलाकात का समय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मामलों पर चर्चा के जरिए स्थिति स्पष्ट करने और आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 26 अगस्त 2026

पश्चिमी हिमालय में तेजी से बढ़ रहा तापमान, बर्फ पिघलने का बढ़ा खतरा, रिसर्च ने बढ़ाई हिमाचल की चिंता

शिमला, एजेंसी। हिमालय को अक्सर एक समान जलवायु क्षेत्र माना जाता है, लेकिन नए वैज्ञानिक अध्ययन ने इसकी तस्वीर बदल दी है। 1901 से 2020 तक के 120 वर्षों के तापमान आंकड़ों और आठ वैश्विक जलवायु माडलों के विश्लेषण में सामने आया है कि पश्चिमी हिमालय लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश मध्य और पूर्वी हिमालय की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। आने वाले दशकों में इसी क्षेत्र में बर्फ के सबसे अधिक नुकसान का खतरा है। जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में प्रकाशित अध्ययन वल्नरेबिलिटी आफ द हिमालयन रीजन अंडर क्लाइमेट चेंज में भारतीय हिमालय को पश्चिमी, मध्य और पूर्वी तीन हिस्सों में बांटकर 2100 तक के संभावित बदलावों का आकलन किया गया। शोध में बीआइटी मेसरा, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आइआइटीएम), पुणे और अशोका विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शामिल रहे। अध्ययन के अनुसार 1901-30 के औसत की तुलना में 2014 तक सर्दियों में पश्चिमी

हिमालय का तापमान 1.06 डिग्री तक बढ़ चुका था। बसंत में यह वृद्धि 1.08 डिग्री रही। वहींमध्य हिमालय में सर्दियों में 0.96 डिग्री और बसंत में 0.83 डिग्री तथा पूर्वी हिमालय में 1.09 डिग्री और 0.83 डिग्री वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं ने ग्लेशियर-बर्फ निगरानी, सैटेलाइट डेटा, उच्च-रिजाल्यूशन माडल, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और सतत जल प्रबंधन को मजबूत करने की सिफारिश की है।

रातें दिन से ज्यादा गर्म: शोध की सबसे अहम चिंताओं में रात के तापमान में तेज वृद्धि है। पश्चिमी हिमालय में सर्दियों का न्यूनतम तापमान 1.23 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 0.87 डिग्री बढ़ा। बसंत में रात का तापमान 1.25 डिग्री और दिन का 0.91 डिग्री बढ़ा। गर्म रातों का मतलब बर्फ के दोबारा जमने के घंटे कम होना और पिघलाव बढ़ना है। यदि उत्सर्जन मौजूदा ऊंची रफ्तार से जारी रहा तो 2081-2100 तक पश्चिमी हिमालय की सर्दियां शुरुआती 20वीं सदी के मुकाबले 7.18 डिग्री और बसंत 6.91 डिग्री तक गर्म हो सकते हैं। मध्य हिमालय में यह वृद्धि 6.71 डिग्री और 6.41 डिग्री तथा पूर्वी हिमालय में 5.82 डिग्री और 5.16 डिग्री अनुमानित है।

32 किलो प्रति वर्ग मीटर बर्फ कम होने का अनुमान

शोध के आधार पर ये बताया गया है कि बसंत में पश्चिमी हिमालय में सदी के अंत तक कम उत्सर्जन की स्थिति में भी 32 किलो प्रति वर्ग मीटर बर्फ कम होने का अनुमान है। उच्च उत्सर्जन में यह नुकसान 95.9 किलो प्रति वर्ग मीटर तक पहुंच सकता है। यानी उच्च उत्सर्जन पथ में बसंत की बर्फ का नुकसान कम उत्सर्जन की तुलना में करीब तीन गुना होगा।

क्यों महत्वपूर्ण है हिमालय

हिमालय से सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियां निकलती हैं और इन पर करीब 1.5 अरब लोगों की आजीविका और जल जरूरतें निर्भर हैं। सर्दियों में कम बर्फ जमने और बसंत में तेजी से पिघलने से भविष्य में नदियों में पानी पहुंचने के समय और मात्रा में बदलाव हो सकता है। शोधकर्ताओं ने चेताया है कि पश्चिम की ओर ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश के बाद भी उमस ने बढ़ाई बेचैनी, मौसम विभाग ने बताया कब मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को दिल्ली के कई हिस्सों में हुई वर्षा के बावजूद लोगों को उमस और पसीने से पूरी राहत नहीं मिली। अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज हुआ। वर्षा के आंकड़ों पर नजर डालें तो सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सफदरजंग और मयूर विहार में 6.5 मिमी, जबकि पूसा में सर्वाधिक 16.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

पूरी तरह से राहत के लिए करना होगा इंतजार: मौसम विभाग का कहना है कि हवा में नमी का स्तर ज्यादा रहने के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी महसूस हो रही है। आने वाले दिनों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हल्की वर्षा का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है, लेकिन पूरी तरह राहत के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

तुमने मेरा घर बर्बाद कर दिया, पहाड़ी से गिरने वाले युवक की मां का पुराना वीडियो आया सामने

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में 250 फीट गहरी खाई से गिरकर जान गंवाने वाले युवक की मां के एक रहस्यमयी पोस्ट ने इस दुखद घटना की पुलिस जांच में एक नया पहलू जोड़ दिया है। वीडियो में 18 साल का कुणाल चंदगुडे खाई के किनारे खड़ा होकर आत्महत्या करने की धमकी देता हुआ दिखाई दिया। उसके माता-पिता, मुरलीधर और संगीता, घंटों तक उससे पीछे हटने की गुहार लगाते रहे। फिर उसके पिता ने उसे बचाने के लिए उसका हाथ पकड़ा; लेकिन दोनों का पैर फिसल गया और दोनों की गिरकर मौत हो गई। कुछ ही सेकंड में, दुखी मां ने भी छलांग लगा दी और उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कुणाल ने एक द्बक्कद्बश्ठ्ठद्ग खरीदा था लेकिन उसकी किस्तें नहीं चुका पा रहा

था। शुक्रवार सुबह, खाई पर जाने से पहले श्वस्छ्व को लेकर उसकी अपने पिता से बहस हुई थी। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि कुणाल ने एक साल पहले उसी जगह पर आत्महत्या की कोशिश की थी, और परिवार के बड़े बेटे की मौत के बाद से परिवार में तनाव चल रहा था।

कुणाल की मां का पुराना वीडियो आया सामने: जांच के इस पहलू में पुलिस की दिलचस्पी संगीता के सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से बढ़ी, जिसमें

पारिवारिक विवाद की ओर इशारा किया गया था। पोस्ट में उन्होंने कहा, तुमने प्रॉपर्टी के लिए मेरे और मेरे बेटे के हक छीन लिए। तुमने भाइयों और माता-पिता को कभी साथ नहीं रहने दिया। तुमने मेरे खुशहाल परिवार को बर्बाद कर दिया। तुमने मेरे परिवार में जहर घोल दिया। तुमने मेरे बेटे को उसके माता-पिता से अलग कर दिया। तुम्हारी आने वाली सात पीढ़ियां भुगतेंगी। यह मेरा श्राप है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया और न ही कोई संदर्भ दिया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट का क्या मतलब था।

पारिवारिक विवाद में उलझा था परिवार: सूत्रों ने बताया कि दंपति के बड़े बेटे की छह साल पहले बीमारी के कारण मौत हो गई थी। तब से वे पारिवारिक विवाद में उलझे हुए थे। घर में तनाव के कारण, मुरलीधर ने खुद को काम में पूरी तरह डुबो लिया था और महीनों तक घर नहीं आते थे। परिवार के सदस्यों की मौत से ठीक दो दिन पहले, मुरलीधर तीन महीने बाद घर लौटे थे, जिससे घर में तनाव बढ़ गया था। हेल्पलाइन यदि आप भी किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं या फिर ऐसी समस्या झेल रहे किसी शख्स को आप जानते हैं तो नीचे दी गई जानकारी मददगार साबित हो सकती है।

क्या एच-वी, एनवी का कोई नया वेरिएंट सामने आया ICMR ने बताया कितना अलर्ट रहने की जरूरत

पीटीआई, नई दिल्ली। देश में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने स्पष्ट किया है कि एच-वी, एनवी वायरस (स्वाइन फ्लू) का कोई नया स्ट्रेन यानी नया स्वरूप सामने नहीं आया है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। आइसीएमआर के सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में इन्फ्लूएंजा का जो स्वरूप फैल रहा है वह उत्तरी गोलार्ध के लिए अनुशंसित वैक्सीन में शामिल स्वरूप से अच्छी तरह मेल खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि एच-वी, एनवी सहित मौसमी इन्फ्लूएंजा आमतौर पर तीन से पांच दिनों में अपने आप ठीक होने वाला संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, सिरदर्द और बदन दर्द शामिल हैं तथा उचित देखभाल और आराम से ज्यादातर

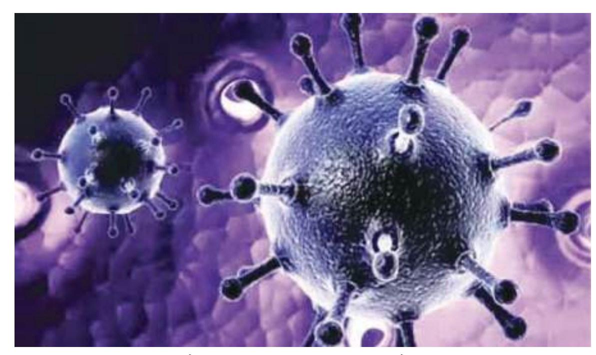

लोग ठीक हो जाते हैं। हालांकि, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों में जटिलताएं होने का जोखिम अधिक हो सकता है। लक्षण लंबे समय तक बने रहने, बिगड़ने या गंभीर होने की सूरत में डाक्टर से समय पर सलाह लेने की अपील की गई है। आइसीएमआर के सूत्रों ने बताया कि देश में वर्तमान में फैल रहे इन्फ्लूएंजा ए पीडीएम09 वायरस का संबंध ए/मिसौरी/11/2025 पीडीएम09 जैसे वायरस के स्वरूप से है। राष्ट्रीय राजधानी में इस वर्ष 2,300 से अधिक इन्फ्लूएंजा-ए मामले सामने आए हैं। दिल्ली सरकार ने लोगों से भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचने और समय पर चिकित्सा सलाह लेने की अपील करते हुए एक हेल्थ एडवाइजरी जारी की है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को देश में की स्थिति और स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने निगरानी मजबूत रखने, मामलों में असामान्य वृद्धि की समय पर पहचान करने तथा अस्पतालों में बेड, आक्सीजन, वेंटिलेटर, दवाओं और जांच सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया था।

यह बरतें सावधानियां

ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।
जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनें।
जो लोग बीमार हैं या जिन्हें सर्दी-जुकाम और बुखार है, उनसे उचित दूरी बनाकर रखें।
अपने गंदे हाथों से बार-बार अपनी आंख, नाक या मुंह को न छूएं।

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे, एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है।

चीन की रणनीति काफी अलग: चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा हैं बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है।

ह्यूमनॉइड रोबोट ही संभाल रहे ग्रॉसरी स्टोर: ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवाट, पट्टानी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टानी का 7-इलेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई। नाराथिवाट में एक बम

से रेल की पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके कारण स्थानीय और लंबी दूरी की रेल सेवाएं रोकनी पड़ीं। सुरक्षा की स्थिति साफ नहीं होने के कारण यह पता नहीं चल पाया कि सेवाएं कब फिर शुरू होंगी। ऐसी घटनाओं में अक्सर तुरंत किसी संगठन पर सार्वजनिक रूप से आरोप नहीं लगाया जाता। इस बार भी किसी संगठन ने तुरंत हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली।

हमलों के पीछे बीआरएन को क्यों माना जा रहा है: हालांकि, आमतौर पर माना जाता है कि ऐसे हमले बारिसान रिवोलुसी नेशनल मेलायु पटानी यानी बीआरएन करता है। यह दक्षिण का प्रमुख विद्रोही संगठन है। उसके पास ऐसी कार्रवाई करने के लिए संगठन और समर्थन दोनों हैं। यही वह संगठन है, जिसके साथ थाई सरकार समय-समय पर शांति वार्ता करती रही है। लेकिन इसके तीन सबसे दक्षिणी प्रांतों में मुस्लिम आबादी बहुमत में है। बीआरएन ने कहा है कि वह इन प्रांतों के लिए खुद शासन की व्यवस्था चाहता है। मुस्लिम लोग लंबे समय से शिकायत करते रहे हैं कि थाईलैंड में उनके साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार होता है। अलगाववादी आंदोलन भी कई दशकों से समय-समय पर सक्रिय रहे हैं। 22 साल में 7,837 लोगों की मौत 2004 में विद्रोही हिंसा अचानक काफी बढ़ गई थी। इसके जवाब में सरकार ने सख्त कार्रवाई की। इससे लोगों में असंतोष और बढ़ गया। पट्टानी में प्रिंस ऑफ सोंगकला यूनिवर्सिटी के परिसर से जुड़े थिंक टैंक डीप साउथ वॉच के मुताबिक, पिछले 22 साल में इस हिंसा में 7,837 लोगों की मौत हुई है। इस हिंसा में पिछली बड़ी घटना जुलाई में हुई थी। उस समय करीब 10 हमलावरों ने नाराथिवाट में एक सुरक्षा चौकी पर सैनिकों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने सैनिकों पर पाइप बम भी फेंके। इस हमले में अर्धसैनिक बल के पांच सैनिक मारे गए। छह नागरिक घायल हुए। इनमें 10 साल का एक लड़का भी शामिल था।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवाडा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवाडा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल: अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी: अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्डो ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्डो ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का इकोनॉमिक डी-डे: तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।

'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप: बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्लामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में वह दौर खत्म हो गया है।

और जो लोग तेहरान का विरोध करने के खतरे से डरते हैं, उन्हें वॉशिंगटन को आजमाने की कीमत को कम नहीं आंकना चाहिए।

'हर एजेंसी और हर अधिकार का इस्तेमाल होगा': बेसेंट ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के लिए ईरान के खिलाफ अपनी सभी शक्तियों का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं। राष्ट्रपति ने हर एजेंसी, हर अधिकार और ऐसी कार्रवाई का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां बना दी हैं, जिनके बारे में कई लोगों को लगता था कि हम कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद

इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेज़ाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को जो ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक

इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारी उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मांस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फ्रोजन मीट का आयात ठीक है। यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फ्रोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फ्रोजन घर खरीदार वेतन के लिए फ्रोजन पेचेक एक अर्थव्यवस्था देती है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का बूमरैंग।

रतलाम से गुजरेंगी 2 नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस

बांद्रा-गोरखपुर और अहमदाबाद-भागलपुर ट्रेन अब रेग्युलर, 26 अगस्त से शुरुआत

रतलाम,एजेंसी। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर और अहमदाबाद-भागलपुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेनों को अब नियमित साप्ताहिक ट्रेन के रूप में चलाएगा। दोनों ट्रेनों को अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में चलाया जाएगा। इनके ट्रेन नंबर भी बदल दिए गए हैं। दोनों ट्रेनों का रतलाम स्टेशन पर ठहराव रहेगा। ट्रेन नंबर 15086 बांद्रा टर्मिनस से 29 अगस्त से हर शनिवार रात 9.45 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रविवार सुबह 6.45 बजे रतलाम पहुंचेगी और 6.55 बजे रवाना होकर सोमवार सुबह 6.45 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 15085 गोरखपुर से हर शुक्रवार सुबह 7.50 बजे चलेगी। यह शनिवार सुबह 4.55 बजे रतलाम पहुंचेगी और 5 बजे रवाना होकर शनिवार शाम 5.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी: दोनों दिशाओं में ट्रेन बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा फोर्ट, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

अहमदाबाद-भागलपुर अमृत भारत एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 19423 अहमदाबाद से 26 अगस्त से हर बुधवार शाम 6.30 बजे रवाना होगी। यह रात 11.45 बजे रतलाम पहुंचेगी और 11.55 बजे रवाना होकर शुक्रवार सुबह 6.40 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 19424 भागलपुर से 28 अगस्त से हर शुक्रवार शाम 4.45 बजे चलेगी। यह शनिवार रात 10.25 बजे रतलाम पहुंचेगी और 10.35 बजे रवाना होकर रविवार सुबह 5.25 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी

ट्रेन आनंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टुंडला, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर के कोच होंगे।

सब्जी मंडी में सब्जी चोरी करते युवक पकड़ा व्यापारियों ने पुलिस को सौंपा; 10 हजार की चोरी का आरोप

खंडवा,एजेंसी। पंधाना रोड स्थित सब्जी मंडी में सोमवार सुबह व्यापारियों ने एक युवक को सब्जी चोरी करते हुए पकड़ लिया। व्यापारियों का आरोप है कि युवक पहले भी मंडी से सब्जियों की पोटली चोरी कर चुका है। उस पर करीब 10 हजार रुपए की सब्जी चोरी करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। सोमवार सुबह मंडी में कारोबार चल रहा था। इसी दौरान व्यापारियों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। आरोप है कि वह सब्जी चोरी करने की कोशिश कर रहा था। व्यापारियों ने उसे मौके पर पकड़ लिया और मंडी के सुरक्षा गार्ड स्टाफ को सूचना दी। सुरक्षा गार्ड शुभम यादव ने युवक को पकड़कर पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मंडी पहुंची और युवक को अपने साथ ले गई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम प्रफुल्ल तिवारी निवासी इटावा (उत्तरप्रदेश) बताया। उसने पुलिस को बताया कि वह मंडी क्षेत्र के प्लेटफार्म नंबर-6 पर रहता है। पुलिस उससे चोरी के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पहले भी चोरी करने का आरोप: व्यापारियों का आरोप है कि युवक पहले भी मंडी में चोरी कर चुका है। वह कई बार करीब 15 किलो सब्जियों की पोटली चोरी कर ले गया। व्यापारियों ने उस पर करीब 10 हजार रुपए की चोरी का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्थिति पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

शिकायत दर्ज कराने पुलिस के साथ गए फरियादी: युवक को पुलिस वाहन से थाने ले जाया गया। इस दौरान कुछ फरियादी भी उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के साथ रवाना हुए। व्यापारियों ने कहा कि यदि युवक के खिलाफ पहले भी चोरी की शिकायतें सामने आई हैं तो पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए।

मंडी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल: व्यापारियों के मुताबिक, सुबह के समय मंडी में किसान, व्यापारी, हम्माल और खरीदार बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं। उनका आरोप है कि भीड़ का फायदा उठाकर संदिग्ध लोग सामान लेकर बाहर निकल जाते हैं। व्यापारियों ने मंडी प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने प्रवेश और निकासी वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है, ताकि किसानों और व्यापारियों का सामान सुरक्षित रह सके।

एक दिन में 196 हितग्राहियों को आधार संबंधी सेवाओं का लाभ

विदिशा,एजेंसी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्यारसपुर जनपद पंचायत क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों में शनिवार को एक साथ विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में ग्रामीणों को आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया गया। एक ही दिन में कुल 196 हितग्राहियों की आधार संबंधी सेवाएं दर्ज की गई हैं। शिविरों में उपलब्ध कराई गई सेवाओं के आंकड़ों के अनुसार 38 नए आधार पंजीयन, 37 डेमो/डेमोग्राफिक संबंधी कार्य, 112 बायोमेट्रिक कार्य तथा 9 एमबीयू (मोबाइल अपडेट/आधार संबंधी अपडेट) किए गए। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सहज एवं त्वरित रूप से पहुंचाना है। इसी क्रम में ग्यारसपुर क्षेत्र में आयोजित इन विशेष शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ा और उन्हें अपने ही ग्राम में सुविधा उपलब्ध हुई। अभियान के निर्धारित बिंदुओं की प्रगति पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता स्वयं निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा मैदानी स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को शिविरों में अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष शिविरों के दौरान ग्राम पंचायतों में पहुंचने वाले हितग्राहियों की समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित सेवाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई मौके पर की गई। प्रशासन का प्रयास है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासन की सेवाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरल, सुगम और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। ग्यारसपुर जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा उपलब्ध प्रमुख आंकड़े तदानुसार शनिवार को एक साथ कुल 25 ग्राम पंचायतों में आधार संबंधी सेवाओं/कार्य से लाभान्वित: 196 हितग्राहियों में से नए आधार पंजीयन: 38 के बनाएं गए है। जबकि डेमो/डेमोग्राफिक कार्य: 37 का किया गया है। वहीं बायोमेट्रिक कार्य: 112 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं।इसके अलावा 9 हितग्राहियों का एमबीयू: कार्य संपन्न कराया गया है।

सीहोर में मानसून सक्रिय, बुधनी में 2.05 इंच बारिश रिकॉर्ड :अब तक जिले में 27.70 इंच वर्षा, अगले 48 घंटे मध्यम से भारी बरसात का अनुमान

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। सोमवार को जिले में औसतन 0.38 इंच बारिश दर्ज की गई। इस दौरान बुधनी क्षेत्र में सर्वाधिक 2.05 इंच वर्षा हुई।अन्य क्षेत्रों में भैरूंदा में 0.71 इंच, श्यामपुर में 0.22 इंच और सीहोर शहर में 0.08 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, आष्टा, जावर, इच्छावर और रेहटी में इस दिन कोई बारिश दर्ज नहीं हुई। मानसून सीजन की शुरुआत 1 जून से 24 अगस्त तक जिले में कुल औसतन 27.70 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 31.63 इंच वर्षा दर्ज की गई थी। इस सीजन में अब तक सीहोर में 32.99 इंच, रेहटी में 31.41 इंच, बुधनी में 29.13 इंच, भैरूंदा में 28.94 इंच, इच्छावर में 26.02 इंच, आष्टा में 26.18 इंच, श्यामपुर में 25.51 इंच और जावर में 21.46 इंच कुल बारिश दर्ज की गई है।

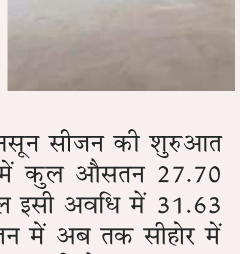

अगले 48 घंटों में बारिश का विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और मध्य प्रदेश से गुजर रही ट्रफ लाइन के कारण जिले में नमी बनी हुई है। , जिससे रुक-रुक कर बौछारें पड़ रही हैं। विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान जिले के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। आने वाले दिनों में मानसून की गतिविधि और तेज हो सकती है।

इटारसी में चलती ट्रेन से गिरा यात्री

मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस के मैनेजर ने प्रेशर ड्रॉप कर रोकी ट्रेन, प्राथमिक इलाज किया

इटारसी,एजेंसी। इटारसी रेलवे स्टेशन से रवाना हुई मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस (12975) में रविवार शाम एक यात्री चलती ट्रेन से गिर गया। मेल ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से यात्री की जान बच गई। उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी और घायल यात्री को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। यह घटना रविवार की शाम को हुई। मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस शाम 5:23 बजे इटारसी स्टेशन से भोपाल की ओर रवाना हुई थी। ट्रेन कुछ ही दूर आगे बढ़ी थी कि जनरल कोच में यात्रा कर रहे यात्री रामवीर कोहली अचानक असंतुलित होकर चलती ट्रेन के दरवाजे से नीचे गिर गए। ट्रेन से गिरने के बाद रामवीर पटरी के किनारे काफी दूर तक घिसटते चले गए। इस कारण उनके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। हादसे में उनके हाथ की दो उंगलियों के नाखून भी उखड़ गए थे।

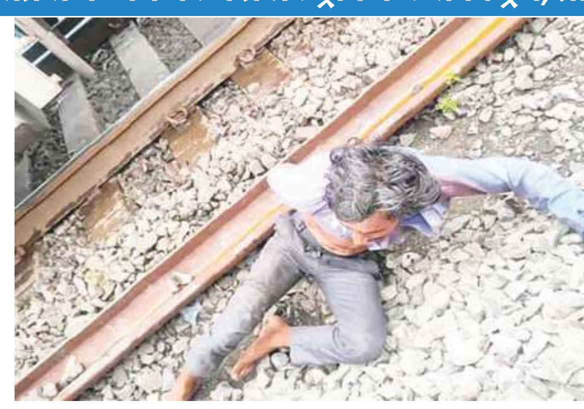

पटरी पर घिसटता दिखा यात्री: ट्रेन के सबसे पीछे ब्रेक वैन में तैनात मेल ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की नजर जैसे ही पटरी पर घिसटते यात्री पर पड़ी, उन्होंने तुरंत ट्रेन का प्रेशर ड्रॉप कर इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। अचानक ब्रेक लगने से ट्रेन रुक गई।

चौबे तुरंत डिब्बे से नीचे उतरे और अन्य यात्रियों की मदद से गंभीर रूप से घायल रामवीर को सुरक्षित स्थान पर ले आए। चौबे ने बिना समय गंवाए अपनी ब्रेक वैन से फर्स्ट एड किट निकाली। उन्होंने घायल यात्री के घावों को साफ कर पट्टी बांधी और रक्तस्राव को रोका। इसके बाद यात्री को अपनी ब्रेक वैन में सुरक्षित बिठाया। चौबे ने तत्काल पंक्चुअलिटी और कमर्शियल कंट्रोल रूम को हादसे की जानकारी दी। उन्होंने भोपाल रेलवे स्टेशन पर अग्रिम रूप से एम्बुलेंस तैनात रखने के निर्देश दिलवाए, ताकि ट्रेन पहुंचते ही यात्री को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके।

रायसेन में 20 दिन बाद झमाझम बारिश:सड़कों पर जलभराव; अब तक उदयपुरा में सबसे ज्यादा और बरेली में सबसे कम बारिश

रायसेन,एजेंसी। रायसेन शहर में सोमवार दोपहर करीब 20 दिन बाद तेज बारिश हुई। दोपहर 1:30 बजे अचानक बादल छाए और करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। बारिश के बाद शहर की सड़कें पानी से भर गईं।रायसेन में करीब 20 दिन पहले तेज बारिश हुई थी। इसके बाद रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही, लेकिन तेज बारिश का दौर नहीं आया था।

पिछले साल से 21.78 इंच कम बारिश: जिले में 1 जून से अब तक 671.16 मिलीमीटर यानी करीब 26.42 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में 1224.2 मिलीमीटर यानी 48.20 इंच बारिश हुई थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में इस बार अब तक करीब 21.78 इंच कम बारिश हुई है। जिले के अलग-अलग वर्षामापी केंद्रों पर अब तक दर्ज बारिश का आंकड़ा इस प्रकार है– रायसेन: 586.4 मिमी (23.09 इंच) गैरतगंज: 783.4 मिमी (30.84 इंच) बेगमगंज: 821.3 मिमी (32.33 इंच) सिलवानी: 525.8 मिमी (20.70 इंच) गौहरगंज: 600.7 मिमी (23.65 इंच) बरेली: देवरी: 674.2 मिमी (26.54 इंच)।

जन विश्वास अभियान में बैंकिंग योजनाओं का विस्तार, 25 पंचायतों में 614 नागरिक हुए लाभान्वित

ग्यारसपुर ब्लॉक में बीसी/कियोस्क के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिला बढ़ावा

विदिशा ,एजेंसी। मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 21 अगस्त को ग्यारसपुर ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों में बीसी/कियोस्क के माध्यम से बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति का विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप के दौरान ग्रामीण नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY) तथा बैंक खातों की री-केवाईसी (Re-KYC) के संबंध में जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाना रहा।

चार प्रमुख सेवाओं में 614 प्रकरणों की प्रगति: 21 अगस्त की प्राप्त प्रगति रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न पंचायतों में आयोजित कैंपों के माध्यम से कुल 166 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, 251 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा 55 हितग्राहियों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा 142 बैंक खातों की री-केवाईसी की गई। इस प्रकार चारों प्रमुख गतिविधियों में कुल 614 प्रकरणों में प्रगति दर्ज की गई। इनमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में सर्वाधिक 251 हितग्राही जुड़े, जबकि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 166, री-केवाईसी के 142 तथा अटल पेंशन योजना के 55 प्रकरण दर्ज किए गए।

कई ग्राम पंचायतों तक पहुंची बैंकिंग सुविधा: अभियान के दौरान SBI गुलाबगंज, SBI अटारीखेजड़ा, बैंक ऑफ बड़ौदा ग्यारसपुर, CO ग्यारसपुर तथा MPGक्कगुलाबगंज एवं सोजना से जुड़े बीसी/कियोस्क प्रतिनिधियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सेवाएं उपलब्ध कराईं। इनमें ग्यारसपुर, औलिंजा, पथरई, चिरावट, सिमरहार, सुभाषखेड़ी, मड़ीपुर, अटारीखेजड़ा, मेहरूखेड़ी, सुमेरबरी सहित अन्य पंचायतें शामिल रहीं। इसके साथ ही हथियाखेड़ा, घोसुआ, ऊमरकोटरा, दिधोरा, लखवांगर, नादोर, इमलावदा, इंद्रवास, बंजेरिया, मानोरा, अंबर, चाठेली, मुड़रागणेशपुर, वन और सोजना सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी बीसी/कियोस्क के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं की प्रगति दर्ज की गई।

ग्रामीणों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने पर जोर: जन विश्वास कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रकार के कैंपों से ग्रामीण नागरिकों को बैंक शाखाओं तक बार-बार जाने की आवश्यकता कम होती है और उन्हें उनके गांव के आसपास ही बैंकिंग तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। बीसी एवं कियोस्क प्रतिनिधियों द्वारा पात्र नागरिकों को बीमा और पेंशन योजनाओं की जानकारी देकर आवेदन एवं आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया में सहयोग किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में बीमा सुरक्षा, पेंशन सुविधा और का कार्य जन विश्वास अभियान के माध्यम से जारी है।

रक्षाबंधन पर इटारसी बाजार में चार पहिया वाहनों की नो-एंट्री:यातायात चौकी ने व्यवस्था बदली; सुरक्षा और पार्किंग के विशेष इंतजाम

इटारसी,एजेंसी। रक्षाबंधन पर्व पर इटारसी के बाजार में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पुलिस ने भीड़ को देखते हुए चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि दोपहिया वाहन चल सकेंगे। यह व्यवस्था थाना इटारसी और यातायात चौकी द्वारा लागू की जा रही है। थाना प्रभारी सौरभ पांडेय ने बताया बाजार क्षेत्र में यातायात को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। गुरुद्वारे के पास, नीमाबाड़ा, तुलसी चौक स्थित द्वारिकाधीश मंदिर के समीप और आरएमएस कार्यालय के तिराहे पर बैरिकेड लगाए जाएंगे। इन स्थानों से चार पहिया वाहनों को बाजार की ओर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

चालकों के लिए पार्किंग की विशेष व्यवस्था: पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों से भी अपील की है कि वे अत्यधिक आवश्यकता होने पर ही वाहन लेकर बाजार आएं। इससे यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी और भीड़भाड़ से बचा जा सकेगा। चार पहिया वाहन चालकों के लिए पार्किंग की विशेष व्यवस्था की गई है। वे अपने वाहन रेस्ट हाउस की ओर खाली सड़क किनारे और बस स्टैंड के पास निर्धारित स्थानों पर खड़े कर सकेंगे। पुलिस ने वाहन चालकों से केवल इन्हीं स्थानों पर पार्किंग करने का आग्रह किया है ताकि जाम की स्थिति न बने।

जेबकतरों से सावधान रहने की अपील: पर्व के दौरान बाजार में बड़ी संख्या में महिलाओं और परिवारों के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस ने महिलाओं से अनावश्यक रूप से कीमती आभूषण पहनकर बाजार नहीं आने की अपील की है। साथ ही, पर्स, मोबाइल और अन्य सामान को सावधानी से रखने की सलाह दी गई है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जेबकतरों और असामाजिक तत्वों से सतर्क रहने को भी कहा गया है। थाना प्रभारी इटारसी ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने सभी वाहन चालकों और नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और पुलिस द्वारा की गई व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

नर्मदापुरम में सावन में पहली बार ढाई घंटे मूसलाधार बारिश

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने पर सेठानी घाट का जलस्तर 950.70 फीट पहुंचा, सीढ़ियां डूबीं

नर्मदापुरम,एजेंसी। सावन में पहली बार नर्मदापुरम में रविवार रात करीब ढाई घंटे तक तेज बारिश हुई। रात 10:15 बजे शुरू हुआ बारिश का दौर करीब 12:45 बजे तक जारी रहा। तेज बारिश के कारण कई इलाकों में दृश्यता काफी कम हो गई और करीब 100 फीट की दूरी तक की चीजें स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थीं। सोमवार सुबह बारिश थम गई, लेकिन आसमान में बादल छाए हुए हैं और मौसम अब भी बारिश के अनुकूल बना हुआ है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी बारिश की संभावना जताई है। बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक के चलते नर्मदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार सुबह 6 बजे सेठानी घाट पर जलस्तर 950.40 फीट दर्ज किया गया, जो सुबह 8 बजे बढ़कर 950.70 फीट पहुंच गया। बढ़ते पानी के कारण घाट की कई सीढ़ियां जलमग्न हो गईं। गर्मी के मौसम में सेठानी घाट पर नर्मदा का सामान्य जलस्तर करीब 934 फीट रहता है, जबकि बारिश के दौरान यह सामान्य तौर पर 937 से 938 फीट के आसपास रहता है। इस लिहाज से सोमवार सुबह नदी का जलस्तर सामान्य से करीब 16 फीट अधिक दर्ज किया गया।

अगस्त सुबह 8:30 बजे तक नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि यहां 92.8 मिमी यानी करीब 3.7 इंच बारिश हुई है। वहीं पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा और 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश का अंतिम आंकड़ा अब सामने आया है। नर्मदापुरम में करीब पौने चार इंच से अधिक बारिश हुई है।

बरगी डैम से पानी छोड़े जाने का असर: जबलपुर स्थित बरगी डैम के गेट पिछले पांच दिनों से खुले हैं। डैम से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बीते दो दिनों में सेठानी घाट पर जलस्तर करीब 7.2 फीट बढ़ चुका है।

हर घंटे बढ़ रहा नर्मदा का जलस्तर: आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त की सुबह से नर्मदा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 22 अगस्त सुबह जलस्तर 943.20 फीट था। 23 अगस्त सुबह 8 बजे यह 947.20 फीट और सुबह 11 बजे 948 फीट पहुंच गया। सोमवार सुबह 6 बजे जलस्तर 950.40 फीट दर्ज हुआ, जबकि दो घंटे बाद यह 950.70 फीट हो गया। डैम पॉइंट पर जलस्तर में हर घंटे करीब 0.10 से 0.20 फीट की बढ़ोतरी होने की जानकारी है। हालांकि, नर्मदापुरम में नर्मदा नदी अभी खतरे के निशान से करीब 16.3 फीट नीचे बह रही है। नर्मदा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से नदी और घाटों के आसपास जाने से बचने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

बिकिनी लुक में कृति सेनन के रक्षाबंधन का विज्ञापन, भड़कीं कंगना रनौत

बिकिनी लुक में कृति सेनन के रक्षाबंधन का विज्ञापन, भड़कीं कंगना रनौत नई दिल्ली- अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत अपने बेबाक बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहती हैं। राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने वाली कंगना अब बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को लेकर दिए गए बयान के कारण सुर्खियों में हैं। उन्होंने कृति के एक हालिया विज्ञापन में उनकी ड्रेस पर तंज कसा है।भौगोलिक संदर्भ जानिए क्या है मामला? कृति सेनन इन दिनों अपने एक विज्ञापन को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर है। उन्होंने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए यह विज्ञापन किया है। एक्ट्रेस विज्ञापन में रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं। मगर, उनके कपड़े काफी रिवीलिंग हैं। वे इंडो वेस्टर्न ड्रेस में दिख रही हैं। कृति सेनन की ड्रेस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।अभिनेत्री के इसी विज्ञापन पर कंगना रनौत ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तंज कसा है और उनके कपड़ों पर सवाल उठाया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा है, %महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह-तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है। कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार-कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए%?कंगना ने आगे लिखा है, %हाहा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है%। कंगना रनौत इन दिनों जेन-जी पर अपनी कथित विवादित टिप्पणी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। उनकी टिप्पणी पर सोनू सूद, बाबा रामदेव समेत कई लोगों ने एतराज जताया था। कंगना ने अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर पलटवार किया है। उन्होंने आशुतोष राणा, सोनू सूद, तापसी पन्नू और बाबा रामदेव का नाम लेते हुए कहा है कि टिप्पणी करने वालों में से किसी ने भी उनके बराबर एक 1 प्रतिशात भी सफलता हासिल नहीं की है। ऐसे में वे किसी का ज्ञान नहीं सुनेंगी।

अक्षय खन्ना के शुक्राचार्य अवतार ने उड़ाए होश रोंगटे खड़े कर देगा महाकाली का टीजर

अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी की बहुचर्चित फिल्म महाकाली का टीजर रिलीज कर दिया गया है। प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के पहले लुक वीडियो में अक्षय खन्ना असुरों के महागुरु शुक्राचार्य के रूप में बेहद खौफनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जबकि टीजर के अंत में भूमि शेट्टी का महाकाली अवतार रोंगटे खड़े कर देने वाला है।हनु-मैन की सफलता के बाद प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली बड़ी पेशकश महाकाली का टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है। लगभग 3 मिनट (2 मिनट 53 सेकंड) के इस वीडियो की शुरुआत एक पैर पर खड़े होकर तपस्या कर रहे असुरों के महागुरु शुक्राचार्य अक्षय खन्ना से होती है। टीजर में शुक्राचार्य सवालिया अंदाज में भगवान विष्णु पर गंभीर आरोप लगाते हुए नजर आते हैं। वह कहते हैं, समुद्र मंथन के समय देवों और असुरों के समान श्रमदान करने के पश्चात, विष्णु ने केवल देवों को अमृत प्रदान किया, ये धर्म है या अधर्म? इंद्र के सिंहासन के अधिकार हमसे छीन लिए गए, ये धर्म है या अधर्म? उनका यह खौफनाक और आक्रामक अंदाज दर्शकों को पूरी तरह बांध लेता है।टीजर में आगे शुक्राचार्य हुंकार भरते हुए कहते हैं कि केवल 14 दिनों में असुरों का विजयघोष उनके कानों में गूंज उठेगा और असुरगण सदा के लिए मुक्त हो जाएंगे। वह रक्तबीज को आदेश देते हुए मानवजाति के सर्वनाश का ऐलान करते हैं। इस पहली झलक में अक्षय खन्ना ने अपने लुक और संवाद अदायगी से यह साबित कर दिया है कि वह इस किरदार में पूरी तरह ढल चुके हैं। सोशल मीडिया पर फैंस उनके इस ट्रांसफॉर्मेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं।टीजर के अंतिम क्षणों में अभिनेत्री भूमि शेट्टी का महाकाली अवतार सामने आता है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाला है। वीडियो के 2"42वें मिनट पर जब महाकाली की एक झलक दिखाई देती है, जहां वह एक बचे को गोद में लिए स्तनपान करवा रही हैं, तो वह दृश्य बेहद शक्तिशाली और रहस्यमयी प्रतीत होता है। यूजर्स इस सीन की खास तौर पर तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह दृश्य दिल दहला देने वाला है।

तारा के स्टाइल का जलवा टॉक्सिक प्रमोशन में पहना लाखों का फैशन लुक

स्टाइल के लिए तारा ने खर्च किए लाखों टॉक्सिक लुक ने बटोरी सुर्खियां बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया अपने फैशन सेंस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उनकी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' के प्रमोशन के दौरान पहना गया स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। इस आउटफिट की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है, जिसमें सिर्फ उनकी डिजाइनर हील्स की कीमत ही करीब 83 हजार रुपये है। तारा सुतारिया का यह प्रमोशनल लुक ग्लैमरस और प्रीमियम फैशन का शानदार उदाहरण माना जा रहा है। अभिनेत्री ने इस दौरान ऐसा आउटफिट चुना, जिसमें एलिगेंस के साथ बोल्ड फैशन का टच भी देखने को मिला। पैपराजी के कैमरों में कैद हुए उनके इस अंदाज की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। रनौत रिपोर्ट्स के अनुसार तारा के पूरे लुक की कीमत 1.37 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। उनके पहनावे में शामिल एक्सेसरीज और फुटवियर ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। खासतौर पर उनकी हाई-फैशन हील्स की कीमत करीब 83 हजार रुपये बताई जा रही है, जिसने इस लुक को और खास बना दिया। फैशन प्रेमियों के बीच तारा का यह अंदाज काफी पसंद किया जा रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके स्टाइल की तारीफ की और उन्हें बॉलीवुड की स्टाइल आइकॉन में शामिल बताया। वहीं कुछ लोगों ने इतनी महंगी फैशन पसंद को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दीं।तारा सुतारिया का फैशन स्टाइल हमेशा से ही चर्चा में रहा है।

सुष्मिता सेन ने मुझे उड़ने के पंख दिए: उर्वशी रौतेला

अपनी गुरु सुष्मिता के साथ इस पल को साझा करने के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, अपनी पहली मेंटर, अपनी गुरु और हमारी पहली मिस यूनिवर्स, सुष्मिता सेन के साथ इस पल को साझा करना इसे और भी खास बनाता है। वह महिला थीं जिन्होंने मुझे उड़ने के लिए पंख दिए; जब उन्होंने मेरे कोरोनेशन की रात मुझे खुद ताज पहनाया - जो कि बहुत कम होता है क्योंकि वह ऐसा कभी नहीं करतीं - तो यह मेरी ज़िंदगी के सबसे यादगार और खास पलों में से एक बन गया।

एक्ट्रेस और पूर्व ब्यूटी क्वीन उर्वशी रौतेला लगातार चौथी बार मिस यूनिवर्स इंडिया के जजों में से एक थीं। उर्वशी के लिए यह शाम और भी खास हो गई क्योंकि उन्हें इसे सुष्मिता सेन के साथ बिताने का मौका मिला, जिन्होंने उर्वशी के सफर में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने याद किया कि सुष्मिता ही थीं जिन्होंने उन्हें उड़ने के लिए पंख और आत्मविश्वास दिया। अपनी गुरु सुष्मिता के साथ इस पल को साझा करने के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, अपनी पहली मेंटर, अपनी गुरु और हमारी पहली मिस यूनिवर्स, सुष्मिता सेन के साथ इस पल को साझा करना इसे और भी खास बनाता है। वह महिला थीं जिन्होंने मुझे उड़ने के लिए पंख दिए; जब उन्होंने मेरे कोरोनेशन की रात मुझे खुद ताज पहनाया - जो कि बहुत कम होता है क्योंकि वह ऐसा कभी नहीं करतीं - तो यह मेरी ज़िंदगी के सबसे यादगार और खास पलों में से एक बन गया। ज़्यादा जानें खगोल विज्ञान टेलीस्कोप की ख़रीदारी करना शेयर और बॉन्ड खरीदना शिक्षा उर्वशी ने आगे बताया कि सुष्मिता ने उन पर जो भरोसा जताया, वह सालों तक उनके साथ कैसे बना रहा। पूर्व मिस यूनिवर्स के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए उर्वशी ने कहा, मैं आज भी सोचती हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा क्यों किया, लेकिन शायद कुछ आशीर्वाद ऐसे होते हैं जिन्हें समझाया नहीं जा सकता, बस महसूस किया जा सकता है। मैं भगवान, अपने माता-पिता, अपने परिवार, अपने फैंस, अपने चाहने वालों और खासकर अपनी गुरु सुष्मिता की बहुत आभारी हूँ। मैं इतना आभार महसूस करती हूँ जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। कुछ सपने पूरे होते हैं, तो कुछ कल्पना से भी परे होते हैं। यह कुछ वैसा ही लग रहा है।इस बीच, उर्वशी ने इवेंट के दौरान अपने खूबसूरत तिरंगे रंग के गाउन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। हमारी टीम को बताया गया कि मिस यूनिवर्स इंडिया में जज के तौर पर मेरा लगातार चौथा अपीयरेंस एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है और इतिहास रच दिया है, और मैं सचमुच बहुत आभारी और विनम्र महसूस कर रही हूँ। कान्स में, जब एक इंटरनेशनल जर्नलिस्ट ने मुझसे पूछा कि भारत मेरे लिए क्या मायने रखता है, तो मैंने तुरंत जवाब दिया, मैं भारत हूँ।%आज, तिरंगे रंग के गाउन में मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 को जज करते हुए, वे शब्द और भी गहरे लगते हैं। मुझे भारतीय होने पर बहुत गर्व है, उर्वशी ने कहा।

'गांधारी' में तापसी का एक्शन अवतार, कनिका ढिल्लों संग फिर बनी जोड़ी

तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों एक बार फिर साथ काम कर रही हैं। 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'रश्मि रॉकेट', 'डंकी' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के बाद दोनों की छठी फिल्म 'गांधारी' है। इस बार जोड़ी रिवेंज एक्शन-थ्रिलर लेकर आ रही है। बॉलीवुड में तापसी पन्नू और राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों की जोड़ी अपनी अलग तरह की कहानियों के लिए पहचानी जाती है। दोनों ने अब तक रोमांटिक ड्रामा, थ्रिलर, स्पोर्ट्स ड्रामा और इमिग्रेशन जैसी अलग-अलग कहानियों पर साथ काम किया है। अब यह जोड़ी अपनी छठी साझेदारी 'गांधारी' के साथ एक नए जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जो अपने बच्चे के लिए न्याय और बदला लेने की लड़ाई लड़ती है।

'मनमर्जियां' से शुरू हुआ सफर

तापसी और कनिका ने पहली बार अनुराग कश्यप की फिल्म 'मनमर्जियां' (2018) में साथ काम किया था। फिल्म में तापसी ने रूमी का किरदार निभाया था, जो बेबाक और अपनी सोच के हिसाब से जिंदगी जीने वाली लड़की थी। इसके बाद दोनों की जोड़ी ने 2021 में आई 'हसीन दिलरुबा' के साथ एक अलग पहचान बनाई। फिल्म की कहानी और तापसी के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

'रश्मि रॉकेट' से 'डंकी' तक

इसी साल तापसी और कनिका ने स्पोर्ट्स ड्रामा 'रश्मि रॉकेट' में भी साथ काम किया। फिल्म में खेलों में लैंगिक भेदभाव और जेंडर टेस्टिंग जैसे गंभीर मुद्दों को दिखाया गया था। इसके बाद दोनों की साझेदारी राजकुमार हिरानी की इमिग्रेशन ड्रामा 'डंकी' (2023) तक पहुंची। 2024 में दोनों ने 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के साथ अपनी चर्चित थ्रिलर फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाया।

'गांधारी' में दिखेगा तापसी का नया अवतार

अब दोनों 'गांधारी' के साथ एक बिल्कुल नए जॉनर में नजर आएंगी। यह एक रिवेंज एक्शन-थ्रिलर है, जिसमें तापसी एक मां की भूमिका निभा रही हैं। अपने बच्चे के लिए न्याय और बदला लेने की यह लड़ाई फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा होगी। कनिका और तापसी पहली बार इस तरह की एक्शन-थ्रिलर पर साथ काम कर रही हैं, इसलिए फिल्म में तापसी का अंदाज भी उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4–5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4–5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19–20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई–एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी। ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी, दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक–एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्व से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुई। उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस, 16 साल की पीड़ित की शिकायत– मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया। यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

- **100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त**

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में स्वढ्ढस्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत–ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी। भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

- **साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता –** भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

रहवासी इलाकों में कारोबार को लेकर भोपाल चैंबर करेगा प्रार्थना सभा

मिंटो हॉल में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने होगी सभा; स्थायी समाधान की मांग

भोपाल। आवासीय क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर नगर निगम की ओर से की जा रही सीलिंग और सर्वे की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी बुधवार को फिर विरोध प्रदर्शन करेंगे। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में व्यापारी कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रार्थना सभा करेंगे। इस दौरान व्यापारी सामूहिक रूप से रामधुन का गायन कर व्यापारियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए मार्गदर्शन की कामना करेंगे। इस

संबंध में सोमवार को भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर चल रही कार्रवाई, व्यापारियों की परेशानियों और भविष्य में होने वाली कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि बुधवार सुबह 11 बजे मिंटो हॉल परिसर में प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। चैंबर अध्यक्ष गोविंद गोयल के नेतृत्व में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और व्यापारी इसमें शामिल होंगे। **विरोध में सड़क पर उतर रहे व्यापारी-** नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में पिछले कुछ दिनों से व्यापारी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। पिछले सप्ताह रोशनपुरा चौराहे पर व्यापारियों ने चक्काजाम कर विरोध जताया था। इसके बाद बाग सेवनिया, अवधपुरी, 10 नंबर मार्केट और आनंद नगर सहित कई क्षेत्रों में भी प्रदर्शन किए गए। व्यापारियों का कहना है कि अचानक शुरू हुई सख्ती से बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम कारोबारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। दूसरी ओर रहवासी संघ भी इस मुद्दे पर लगातार अपनी आवाज उठा रहे हैं। शनिवार को रहवासी संघ की ओर से गुलमोहर कॉलोनी में टॉर्च लाइट रैली निकाली गई थी। इससे पहले सात नंबर मार्केट क्षेत्र में भी रैली आयोजित की जा चुकी है। रहवासियों का कहना है कि आवासीय इलाकों में किसी भी स्थिति में व्यावसायिक गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनका तर्क है कि व्यावसायिक गतिविधियों से यातायात, पार्किंग, शोर और सुरक्षा सहित कई समस्याएं बढ़ रही हैं। **नए सर्वे से कारोबारियों में दहशत-** नगर निगम द्वारा किए जा रहे नए सर्वे में केवल व्यावसायिक गतिविधियों की ही जांच नहीं की जा रही, बल्कि भवन से जुड़े अन्य उल्लंघनों को भी देखा जा रहा है। इसके चलते आवासीय भवनों में दुकान और अन्य कारोबार संचालित करने वाले व्यापारियों में दहशत का माहौल है। अवधपुरी, अयोध्या बायपास, गौतम नगर, अशोका गार्डन और लालघाटी सहित कई क्षेत्रों के दुकानदार नोटिस मिलने के बाद वैकल्पिक व्यावसायिक स्थान तलाश रहे हैं। अर्बन प्लानिंग विशेषज्ञों का कहना है कि यदि शहर का मास्टर प्लान समय पर लागू और अपडेट होता तो मौजूदा स्थिति काफी हद तक टाली जा सकती थी। आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग चिह्नित किया जाता तो व्यापारियों और रहवासियों के बीच इस तरह का विवाद खड़ा नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार शहर के नियोजित विकास के लिए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट भू-उपयोग नीति जरूरी है। **मुख्य मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में सर्वे-** नगर निगम ने मुख्य मार्गों के दोनों ओर तथा उनसे जुड़ी गलियों में भी सर्वे शुरू कर दिया है। इसके साथ ही नदी और तालाबों के किनारे बने भवनों, ग्रीन बेल्ट, बफर जोन और कैचमेंट एरिया में स्थित निमार्णों की प्राथमिकता के आधार पर जांच की जाएगी। निगम की कार्रवाई के दायरे में अवैध रूप से संचालित मैरिज गार्डन भी आएंगे और ऐसे संचालकों को नोटिस जारी किए जाने की तैयारी है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि वे कार्रवाई के खिलाफ हैं।

तीन-चार साल से बंद गुफा मंदिर-बरेला मार्ग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

महिलाओं ने कलेक्टोरेट की सीढियों पर बैठकर जताया विरोध

भोपाल। बरेला गांव के लोगों के लिए गुफा मंदिर की ओर जाने वाला बंद रास्ता अब सिर्फ आवागमन की परेशानी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ा मुद्दा बन गया है। रास्ता बंद होने के विरोध में मंगलवार को गांव की महिलाएं भोपाल कलेक्टोरेट पहुंचीं और सीढि?ों पर बैठकर प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना था कि रास्ता बंद होने के कारण सोमवार को घायल हुई एक महिला को अस्पताल पहुंचाने में परेशानी हुई और मंगलवार को उसकी शवयात्रा निकालने में भी दिक्कत आई। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रशासन से स्पष्ट कहा कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं चाहिए, बल्कि वर्षों से बंद रास्ते का स्थायी समाधान चाहिए। बरेला निवासी आशीष शर्मा के मुताबिक, सोमवार को एक महिला घर के बाथरूम में गिरकर घायल हो गई थीं। गांव की ओर जाने वाला रास्ता बंद होने के कारण एंबुलेंस मौके तक नहीं पहुंच सकी। परिजन उन्हें ऑटो से अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि यदि रास्ता खुला होता तो महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकता था। हालांकि, महिला की मौत का कारण केवल रास्ता बंद होना था, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मंगलवार को जब महिला की अंतिम यात्रा निकली तो बंद रास्ते के कारण फिर परेशानी सामने आई। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और महिलाएं कलेक्टोरेट पहुंच गईं। 50 साल पुराने रास्ते को तीन-चार साल से बंद करने का आरोप प्रदर्शनकारी महिलाओं ने एडीएम सुमित पांडेय को बताया कि गुफा मंदिर के पास से बरेला की ओर जाने वाला रास्ता करीब 50 साल पुराना है। ग्रामीणों के मुताबिक, यह रास्ता पिछले तीन-चार साल से बंद है। महिलाओं का कहना है कि पिछले वर्ष भी रास्ता खुलवाने के लिए प्रदर्शन किया गया था। उस समय प्रशासन की ओर से आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया था, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

स्कूल जाने वाले बच्चों की परेशानी भी उठाई

ग्रामीणों ने केवल अस्पताल और शवयात्रा की समस्या ही नहीं बताई, बल्कि रोजमर्रा के आवागमन में आ रही दिक्कतों को भी सामने रखा। पुष्पा आचार्य के मुताबिक, बारिश के कारण सडक की हालत खराब हो गई है। बच्चों को गड्ढों के बीच से स्कूल जाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि रास्ता खुलने से ग्रामीणों को आने-जाने के साथ गुफा मंदिर में दर्शन करने में भी सुविधा होगी। रेखा शर्मा ने भी धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए मंदिर समिति से गेट खोलने की अपील की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मंदिर से जुड़ी जमीनों पर व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन गांववालों के पारंपरिक रास्ते को बंद कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच कराने और सार्वजनिक आवागमन का रास्ता बहाल कराने की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। सुरक्षाकर्मी से बहस के बाद सीढियों पर बैठीं महिलाएं कलेक्टोरेट पहुंचने के बाद महिलाओं की सुरक्षाकर्मी से बहस भी हुई। इसके बाद महिलाएं कलेक्टोरेट की सीढियों पर बैठ गईं।

चार महीने बाद आंगनबाडियों में राशन लौटा

पहले थाली में कई विकल्प, अब खिचड़ी पर जोर

ऐसे में पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता और विविधता सीधे तौर पर महत्वपूर्ण हो जाती है।

भोपाल। मध्यप्रदेश की आंगनबाडियों में करीब चार महीने के इंतजार के बाद टेक होम राशन की व्यवस्था तो बहाल हो गई, लेकिन नई व्यवस्था ने पोषण आहार की विविधता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्व-सहायता समूहों के जरिए फिलहाल बच्चों और गर्भवती-धात्री महिलाओं को मुख्य रूप से खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 4 अगस्त से नई व्यवस्था के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में टेक होम राशन बांटना शुरू किया है। एक सप्ताह दलिया मिक्स्ड खिचड़ी और अगले सप्ताह चावल की खिचड़ी देने की व्यवस्था है। बच्चों को पांच दिनों के लिए 725 ग्राम और गर्भवती व धात्री महिलाओं को 850 ग्राम खिचड़ी का पैकेट दिया जा रहा है। मंगलवार को खीर-पूरी भी दिए जाने की व्यवस्था है। नई व्यवस्था में सबसे बड़ा बदलाव राशन की विविधता को लेकर है। पहले आंगनबाड़ी केंद्रों पर अलग-अलग दिनों में दलिया, पूरी-सब्जी, चना फ्राई, हलवा, पुलाव, खिचड़ी, उपमा, दूध, पोहा, लड्डू, मठरी, नमकीन, मुरमुरे, बिस्किट, भुना चना और गुड़ जैसी चीजें दिए जाने की व्यवस्था थी। अब स्थानीय समूहों को अस्थायी तौर पर जिम्मेदारी मिलने के बाद खिचड़ी वितरण को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था बच्चों को पर्याप्त पोषण देने के साथ भोजन में जरूरी विविधता भी उपलब्ध करा पाएगी।

व्यवस्था कई बार बदली, सवाल अब भी वही

मध्यप्रदेश में टेक होम राशन की व्यवस्था पिछले वर्षों में कई बार बदली है। 2018 से पहले यह काम एमपी एग्रो के जरिए निजी ठेकेदारों से कराया जाता था। 2017 में हाईकोर्ट की इंदौर बेंच के निर्देश के बाद बड़े निजी ठेकेदारों और औद्योगिक घरानों के जरिए राशन सप्लाई पर रोक की दिशा में व्यवस्था बदली और 2018 में काम स्व-सहायता समूहों को दिया गया। 2020 में व्यवस्था फिर बदली और काम एमपी एग्रो को मिला। 2022 में इसे दोबारा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के हवाले कर दिया गया। अब 2026 में जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग के पास है। बार-बार बदलती व्यवस्था के बीच असली परीक्षा अब इस बात की है कि सरकार कुपोषण से जूझ रहे बच्चों तक सिर्फ राशन पहुंचाती है या ऐसा संतुलित और विविध पूरक आहार भी सुनिश्चित करती है, जो योजना के मूल उद्देश्य को पूरा कर सके।

चार महीने बंद रहा राशन

पूरक पोषण आहार की व्यवस्था में बदलाव के कारण प्रदेश में करीब चार महीने तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर टेक होम राशन वितरण प्रभावित रहा। 14 जुलाई की कैबिनेट बैठक में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से यह जिम्मेदारी वापस लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपने का निर्णय लिया गया। इसके बाद पहले से पूरक पोषण आहार तैयार करने वाले सात प्लांट बंद हो गए। सरकार ने तत्काल व्यवस्था के लिए स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों को जिम्मेदारी दी। यह व्यवस्था फिलहाल दो-तीन महीने के लिए अस्थायी बताई जा रही है।

1200 करोड़ के बजट के बीच अस्थायी व्यवस्था

मध्यप्रदेश में पूरक पोषण आहार का सालाना बजट करीब 1200 करोड़ रुपए बताया जाता है। ऐसे में इतनी बड़ी राशि वाली योजना का संचालन फिलहाल अस्थायी व्यवस्था के जरिए किया जा रहा है। विभाग अब आगे निजी कंपनियों के जरिए पूरक पोषण आहार तैयार कराने की तैयारी में है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पर काम चल रहा है। यानी मौजूदा खिचड़ी व्यवस्था लंबे समय की नीति है या सिर्फ संक्रमणकालीन इंतजाम, यह कुछ महीनों में स्पष्ट होगा।

घाटे में चल रहे थे सात प्लांट

व्यवस्था बदलने के पीछे एक बड़ा कारण पुराने प्लांटों का आर्थिक संकट भी रहा। मंडला, सागर, नर्मदापुरम, देवास, धार, रीवा और शिवपुरी में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से पूरक पोषण आहार तैयार किया जाता था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन प्लांटों को चार वर्षों में 300 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा हुआ। सरकार की ओर से मिलने वाली राशि और उत्पादन लागत के बीच अंतर को इसका प्रमुख कारण बताया गया। इसी आर्थिक दबाव के बीच सरकार ने पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग को देने का फैसला किया।

युवाओं को संस्कार-सभ्यता का पढ़ाएगा पाठ बजरंगदल

गाली-गलौज के खिलाफ संघ के अनुषंगिक संगठन का अभियान

भोपाल। युवाओं के बीच सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर बढ़ती कथित गाली-गलौज और अमर्यादित भाषा को लेकर बजरंग दल ने अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन का फोकस खासतौर पर जेन जी और जेन अल्फा पर रहेगा। अभियान के जरिए युवाओं को भारतीय संस्कृति, सामाजिक मयार्दा और सभ्य संवाद का संदेश देने की बात कही गई है। हालांकि, इस पहल को लेकर मध्यप्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रचार-प्रसार प्रमुख जितेंद्र सिंह चौहान के मुताबिक किसी भी मुद्दे का विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन विरोध करते समय भाषा की मयार्दा बनाए रखना जरूरी है। उनका कहना है कि हाल के कुछ आंदोलनों और

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में युवाओं की भाषा को लेकर चिंता बढ़ी है। संगठन का कहना है कि युवाओं में बढ़ती अशालीन भाषा केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया और सार्वजनिक बातचीत में भी इसका असर दिखाई दे रहा है।

नशे और दिशाहीनता के खिलाफ भी फोकस

बजरंग दल के मुताबिक अभियान का दूसरा बड़ा उद्देश्य युवाओं को नशे और कथित दिशाहीनता से दूर कर राष्ट्र जागरण की गतिविधियों से जोड?ा होगा। संगठन जेन जी और जेन अल्फा को भविष्य की युवा शक्ति मानते हुए उनके बीच संवाद बढ़ाने की योजना बना रहा है। संगठन का तर्क है कि युवाओं में असहमति और आक्रोश होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे व्यक्त करने का तरीका सामाजिक मयार्दा के अनुरूप होना चाहिए। इसी संदेश को लेकर विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम और संवाद आयोजित किए जाने की बात कही गई है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 13 अधिकारी बनेंगे आईएएस

भोपाल। मध्य प्रदेश में आईएएस संवर्ग में पदोन्नति की प्रक्रिया एक बार फिर राज्य प्रशासनिक सेवा तक सिमटती नजर आ रही है। वर्ष 2025 के लिए आईएएस संवर्ग में नियुक्ति के 13 पद उपलब्ध हैं और इनके लिए 39 राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के नाम प्रस्तावित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और इसे जल्द संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2016 के बाद गैर-प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों के लिए आईएएस बनने का रास्ता क्यों नहीं खुल पाया। जबकि राज्य के कई अन्य विभागों में काम करने वाले अधिकारियों को भी उनके अनुभव और सेवा रिकॉर्ड के आधार पर आईएएस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर दिए जाने का प्रावधान है। आईएएस संवर्ग में नियुक्ति के लिए एक पद के मुकाबले तीन अधिकारियों के नाम प्रस्तावित किए जाते हैं। इस लिहाज से 13 पदों के लिए 39 नाम भेजे जाएंगे। सेवा अभिलेख और पात्रता के आधार पर विभागीय पदोन्नति समिति चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। समिति में यूपीएससी के अध्यक्ष या सदस्य, मुख्य सचिव, एक अपर मुख्य सचिव और केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के दो अधिकारी शामिल होंगे। अंतिम चयन इसी प्रक्रिया के बाद होगा। 10 साल से बंद है गैर-प्रशासनिक सेवाओं का रास्ता मध्य प्रदेश में वर्ष 2016 में चार गैर-प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को आईएएस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर मिला था। इनमें वित्त, पंजीयन, जेल और तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल थे।

एम्स में आईवीएफ एवं फर्टिलिटी सेंटर शुरू

भोपाल। भोपाल एम्स में सोमवार को संतान प्राप्ति में कठिनाई का सामना कर रहे दंपतियों के लिए बड़ी सुविधा शुरू हुई है। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में आईवीएफ एवं फर्टिलिटी सेंटर का शुभारंभ किया गया। यहां महिला और पुरुष दोनों में बांझपन से जुड़ी समस्याओं की जांच, परामर्श और आधुनिक उपचार की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। केंद्र का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल (रि.) ने किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी, उप निदेशक (प्रशासन) संदेश जैन और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) विकास गुप्ता मौजूद रहे। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) के. पुष्पलता, आईवीएफ की नोडल अधिकारी डॉ. भारती सिंह, डॉ. अरुण डोरा और आईवीएफ परामर्शदाता डॉ. वैशाली गुरवानी समेत अन्य चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पहले जांच, फिर मरीज की जरूरत के अनुसार उपचार केंद्र में दंपतियों की समस्या के कारणों की जांच के बाद उनकी स्थिति के अनुसार उपचार की योजना तैयार की जाएगी। मरीजों और परिजनों को उपचार की प्रक्रिया तथा उपलब्ध विकल्पों की जानकारी भी दी जाएगी। महिलाओं में अंडाणु बनने और अंडोत्सर्जन की निगरानी अल्ट्रासाउंड और हार्मोन जांच के जरिए की जाएगी। जरूरत के अनुसार दवाओं से अंडोत्सर्जन कराया जाएगा। उपयुक्त मामलों में अंतर्गर्भाशयी गभार्धान की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

अफसरों की मनमानी पर डिजिटल शिकंजा

भोपाल। मध्यप्रदेश में उद्योग और व्यापार से जुड़ी सरकारी मंजूरियों की प्रक्रिया में अब अफसरों की देरी पर डिजिटल निगरानी रहेगी। नए मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 में ऐसी व्यवस्था की गई है, जिसमें तय समय सीमा में आवेदन का निराकरण नहीं होने पर फाइल स्वतः अगले उच्च अधिकारी के पास पहुंच जाएगी। इससे किसी एक अधिकारी के स्तर पर फाइल लंबे समय तक अटकाए रखने की गुंजाइश कम होगी। नए कानून का फोकस केवल मंजूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समयबद्ध निर्णय, जवाबदेही और ऑटो एस्कलेशन को कानूनी आधार दिया गया है। यानी फाइल पर फैसला नहीं लेने की स्थिति में मामला उसी अधिकारी के पास लंबित नहीं रहेगा। कानून की एक अहम व्यवस्था आवेदन में बार-बार नई कमियां निकालने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने से जुड़ी है। सक्षम अधिकारी आवेदन मिलने के सात दिन के भीतर अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण मांग सकता है और यह अवसर केवल एक बार होगा। इसका मकसद यह है कि आवेदक एक कमी दूर करने के बाद दूसरी और फिर तीसरी आपत्ति के कारण महीनों तक प्रक्रिया में न फंसा रहे।

खाली प्लॉट में पानी जमा मिला तो लगेगा जुमार्ना

भोपाल। राजधानी भोपाल में डेंगू-मलेरिया जैसे मच्छरजनित रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने खाली प्लॉटों में जमा पानी का तत्काल निपटारा कराने और लापरवाही मिलने पर मौके पर ही जुमार्ना लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए नगर निगम को कार्रवाई करने को कहा गया है। जानकारी के लिए बतादें कि इन दिनों डेंगू-मलेरिया के केस बढने लगे हैं। यही वजह है कि प्रशासन अलर्ट पर है। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी निर्धारित सेवाएं लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिस क्षेत्र में अभियान

आयोजित होगा, वहां कुपोषित बच्चों के फॉलोअप की निगरानी कलेक्टर स्वयं करेंगे। लापरवाही पर नीचे के 5 पर्यवेक्षकों को नोटिस पोषण सेवाओं की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया गया कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। प्रदर्शन में सबसे नीचे रहने वाले पांच पर्यवेक्षकों को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जाएगी वहीं सितंबर में प्रस्तावित पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की जानकारी दी गई।

त्योहारों से पहले महंगाई का डबल अटैक

भोपाल में शक्कर 70 पार, प्याज 50 रुपए किलो

भोपाल। राजधानी भोपाल में त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही महंगाई ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड?ा शुरू कर दिया है। मिठास के लिए इस्तेमाल होने वाली शक्कर के दाम 70 रुपए किलो के पार पहुंचने के बाद अब प्याज भी लोगों को रुलाने लगी है। भोपाल के बाजार में प्याज का भाव करीब 50 रुपए किलो तक पहुंच गया है। एक साथ दो जरूरी खाद्य वस्तुओं के दाम बढने से त्योहारों के दौरान घर का खर्च बढ? की चिंता सताने लगी है। त्योहारों में घरों में मिठाई, पकवान और अन्य खाद्य सामग्री की खरीद बढ़ जाती है। ऐसे समय में शक्कर के भाव पहले ही 70 रुपए किलो के पार पहुंच चुके हैं। अब प्याज की कीमत करीब 50 रुपए

किलो होने से आम परिवारों पर महंगाई का दोहरा असर पड़ रहा है। खास तौर पर त्योहारों के दौरान प्याज की खपत बढ़ जाती है। घरों के साथ-साथ होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट और खान-पान से जुड़े कारोबार में भी प्याज की मांग बढ़ती है। इससे आने वाले दिनों में बाजार पर कीमतों का दबाव और बढने की आशंका है। **व्यापारियों ने दी बड़ी तेजी की चेतावनी-** भोपाल के कारोबारियों का कहना है कि फिलहाल प्याज की मांग जिस तरह बढ़ रही है, उसे देखते हुए आने वाले दिनों में इसके दाम और चढ़ सकते हैं। यदि मांग के मुकाबले बाजार में प्याज की पर्याप्त आवक नहीं रही तो भाव 70 से 80 रुपए किलो तक पहुंचने की संभावना है। व्यापारियों के मुताबिक त्योहार नजदीक आने के साथ खपत बढने पर प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। यदि आवक कमजोर रही तो इसका सीधा असर खुदरा बाजार पर पड़ेगा और उपभोक्ताओं को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

रसोई का हिसाब बिगड़ा, त्योहार का खर्च बढने की आशंका

शक्कर और प्याज दोनों की कीमतों में तेजी का असर सीधे रसोई के बजट पर पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान पहले ही मिठाई, तेल, आटा, दाल और अन्य खाद्य सामग्री पर खर्च बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी सामान के दाम बढने से परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होना तय माना जा रहा है।

मांग बढ़ी तो जेब पर और पड़ेगा बोझ

बाजार के जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में प्याज की मांग और बढ़ सकती है। यदि इसके साथ आवक में कमी आती है तो कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। व्यापारियों की 70 से 80 रुपए किलो तक पहुंचने की आशंका सही साबित हुई तो त्योहारों के दौरान आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)